मुंबई(महाराष्ट्र) से प्रकाशित हिन्दी दैनिक

उत्तरशक्ति

हर खबर निष्पक्षता के साथ

मुंबई
वर्षः 9 अंक 115
गुरुवार, 05 नवम्बर 2026
मूल्य 3 रुपए, पृष्ठ-6
RNI NO. MAHHIN/2018/76092
email ID- uttarshaktinews@gmail.com
www.uttarshaktinews.com

अग्निवीरों के लिए मोदी सरकार का बड़ा फैसला, 75% की आर्मी में होगी भर्ती, 2 साल का सेवा विस्तार

नई दिल्ली, 04 नवम्बर। अग्निपथ ढांचे में किए गए बदलावों के तहत, जिन अग्निवीरों का चयन नियमित भर्ती के लिए नहीं हो पाता है, उन्हें दो साल का अतिरिक्त कार्यकाल दिया जाएगा। इससे उनकी कुल सेवा अवधि चार साल से बढ़कर छह साल हो जाएगी। चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ जनरल एनएस राजा सुब्रमण्यम ने कैबिनेट ब्रीफिंग के दौरान इस फैसले की घोषणा की। मौजूदा नियमों के अनुसार, मेरिट के आधार पर 25 प्रतिशत तक अग्निवीरों को नियमित सेना में शामिल किया जा सकता है। बाकी बचे 75 प्रतिशत अग्निवीरों को, अपनी शुरूआती चार साल की सेवा पूरी करने के बाद, दो साल का अतिरिक्त कार्यकाल दिया जाएगा। इस विस्तारित कार्यकाल के अंत में, जो अग्निवीर आगे भी सेवा जारी रखना चाहेंगे, उन्हें सशस्त्र बलों में भर्ती के लिए विचार किया जाएगा, जिसके लिए कुछ तय चयन मानदंड लागू होंगे। सीडीएस ने कहा कि योग्यता के आधार पर 25 प्रतिशत अग्निवीरों को नियमित सेना में शामिल किया जाएगा। पहले, 75 प्रतिशत अग्निवीरों के लिए यह प्रावधान था कि वे अनुशासित और प्रेरित युवाओं के रूप में वापस समाज में लौट जाएं। हालांकि, इस अद्यतन (अपडेटेड) योजना के तहत, बाकी 75 प्रतिशत अग्निवीरों को अब दो साल की अतिरिक्त सेवा अवधि का मौका दिया जाएगा। यह दो साल की अवधि पूरी होने पर, जो भी इच्छुक होंगे, उन्हें सशस्त्र बलों में शामिल कर लिया जाएगा; इसके लिए चयन के कुछ निश्चित मानदंड होंगे। इस योजना



के ये चार मुख्य पहलू हैं। इस बीच, अग्निवीरों का पहला बैच 21 नवंबर को सेवा से बाहर हो जाएगा। भारतीय नौसेना के पहले बैच में लगभग 2,100 अग्निवीरों को शामिल किया गया था, जिनमें से करीब 550 (लगभग 25 प्रतिशत) को रिटेंशन पॉलिसी के तहत नौसेना में स्थायी रूप से रख लिया गया है। बाकी बचे अग्निवीरों को पहले अपने चार साल का कार्यकाल पूरा करने के बाद सेवा से बाहर होना था। हालांकि, अब अद्यतन ढांचे (अपडेटेड फ्रेमवर्क) के तहत, उन्हें दो साल का अतिरिक्त कार्यकाल देने का प्रस्ताव दिया जाएगा। भारतीय नौसेना के साथ-साथ, भारतीय वायु सेना और थल सेना में अग्निवीरों के पहले बैच का चार साल का कार्यकाल भी 31 दिसंबर तक पूरा होने वाला था।

पहले यह उम्मीद थी कि साल के अंत तक तीनों सेनाओं से 18,000 से अधिक अग्निवीर सेवा से बाहर हो जाएंगे। हालाँकि, हाल ही में की गई घोषणा के अनुसार, बाकी बचे 75 प्रतिशत अग्निवीरों को दो साल का अतिरिक्त कार्यकाल दिया जाएगा। भारत सरकार द्वारा 2022 में शुरू की गई 'अग्निपथ योजना' का उद्देश्य भारतीय सशस्त्र बलों (जिसमें भारतीय नौसेना भी शामिल है) की भर्ती प्रक्रिया में बदलाव लाना है। भारतीय नौसेना 10वीं और 12वीं पास युवाओं को अग्निवीर के रूप में भर्ती करती है। ये युवा क्वर चिल्का (ओडिशा) में बुनियादी प्रशिक्षण लेते हैं और इसके बाद देश भर में स्थित नौसेना के विभिन्न प्रशिक्षण स्कूलों में पेशेवर कोर्स करते हैं।

न्यायमूर्ति यशवंत वर्मा महाभियोग: कार्रवाई से पहले राजनीतिक दलों से चर्चा करेंगे ओम बिरला

तिरुवनंतपुरम, 04 नवम्बर। लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने बुधवार को कहा कि न्यायमूर्ति यशवंत वर्मा के खिलाफ महाभियोग की प्रक्रिया पर आगे बढ़ने से पहले वह राजनीतिक दलों के नेताओं से परामर्श करेंगे और संबंधित नियमों की समीक्षा करेंगे। जांच समिति ने न्यायमूर्ति वर्मा को उनके आधिकारिक आवास पर नकदी मिलने के मामले में दोषी पाया है। बिरला ने यहां एक सम्मेलन से इतर संवाददाताओं से कहा, हम नियमों को देखेंगे और उनकी जांच करेंगे। आगे की कार्रवाई का फैसला करने से पहले हम राजनीतिक दलों के नेताओं से भी परामर्श करेंगे। न्यायाधीश (जांच) अधिनियम के तहत बिरला द्वारा गठित तीन सदस्यीय समिति ने अगस्त में संसद के दोनों सदनों में अपनी रिपोर्ट पेश की थी। समिति ने कहा था कि न्यायमूर्ति वर्मा के खिलाफ अघोषित नकदी, परेशान करने वाले साक्ष्य और टालमटोल भरे स्पष्टीकरण से जुड़े



आरोप साबित हुए हैं। न्यायमूर्ति वर्मा ने इसके बाद इलाहाबाद उच्च न्यायालय के न्यायाधीश पद से इस्तीफा दे दिया था, लेकिन कानून मंत्रालय ने अभी तक इसकी अधिसूचना जारी नहीं की है। उनका नाम अब भी उच्च न्यायालय के न्यायाधीशों की सूची में है। अलग-अलग राजनीतिक दलों के करीब 200 सांसदों ने संसद के माध्यम से उन्हें पद से हटाने की मांग की थी, जिसके बाद जांच समिति गठित की गई। न्यायमूर्ति वर्मा के दिल्ली स्थित आधिकारिक आवास पर 14 मार्च 2025 की रात आग लग गई थी। आग बुझाने पहुंचे दमकलकर्मियों को कथित तौर पर एक भंडार कक्ष में जली हुई नकदी की बड़ी मात्रा मिली थी। इसके बाद उन्हें दिल्ली उच्च न्यायालय से इलाहाबाद उच्च न्यायालय स्थानांतरित कर दिया गया था। तत्कालीन प्रधान न्यायाधीश संजीव खन्ना ने मार्च 2025 में मामले की आंतरिक जांच के लिए तीन सदस्यीय समिति गठित की थी। समिति की रिपोर्ट मिलने के बाद उन्होंने न्यायमूर्ति वर्मा से इस्तीफा देने या महाभियोग की कार्रवाई का सामना करने को कहा था।

रामलीला मैदान रैली में गैरहाजिर युवा कांग्रेस के 202 पदाधिकारी निलंबित, 7 राज्यों में कार्रवाई

नई दिल्ली, 04 नवम्बर। भारतीय युवा कांग्रेस ने एक नवंबर को दिल्ली के रामलीला मैदान में आयोजित इंडिया गठबंधन की वोट बचाओ, देश बचाओ महारैली में शामिल नहीं होने पर सात राज्यों के अपने 200 से अधिक पदाधिकारियों को निलंबित कर दिया है। सूत्रों के अनुसार, संगठन की ओर से गुजरात, पश्चिम बंगाल, उत्तर प्रदेश, तेलंगाना, हरियाणा, मध्य प्रदेश और झारखंड के पदाधिकारियों पर कार्रवाई की गई है। गुजरात में 49, पश्चिम बंगाल में 26, उत्तर प्रदेश (मध्य) में 11, तेलंगाना में 14, हरियाणा में 10, मध्य प्रदेश में 60 और झारखंड में 32 पदाधिकारियों को निलंबित किया गया है। इस तरह कुल 202 पदाधिकारियों पर कार्रवाई की गई है। निलंबित किए गए पदाधिकारियों में



प्रदेश युवा कांग्रेस के उपाध्यक्ष, महासचिव और सचिव स्तर के नेता शामिल हैं।

सूत्रों ने बताया कि इन पदाधिकारियों ने रैली को लेकर दिखाई गई उदासीनता के बारे में कोई संतोषजनक जवाब नहीं दिया, जिसके बाद यह कार्रवाई की गई। सूत्रों का यह भी कहना है कि कुछ अन्य राज्यों के पदाधिकारियों पर भी कार्रवाई हो सकती है। मध्य प्रदेश युवा कांग्रेस ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर जारी बयान में कहा कि भारतीय युवा कांग्रेस के राष्ट्रीय नेतृत्व के निर्देशों के अनुपालन में यह कार्रवाई की गई है। बयान के अनुसार, एक नवंबर 2026 को नई दिल्ली के रामलीला मैदान में आयोजित वोट चोरी विरोधी रैली से अनुपस्थित रहने के कारण संगठनात्मक अनुशासनहीनता का मामला सामने आया था।

सुप्रीम कोर्ट ने दो बच्चों के नियम पर पुनर्विचार के लिए मामला बड़ी पीठ को भेजा

नयी दिल्ली, 04 नवम्बर। उच्चतम न्यायालय ने बुधवार को कहा कि दो से अधिक बच्चे होने पर दंडित करने वाले कानूनों की प्रासंगिकता खत्म हो गई है, क्योंकि पिछले कुछ दशक में आए जनसंख्यिकीय बदलावों के चलते अत्यधिक जनसंख्या का डर अब नहीं रहा। न्यायालय ने कहा कि 2003 के बाद से भारत की कुल प्रजनन दर 3.0 से घटकर 1.9 हो जाने के बाद, जनसंख्या वृद्धि को नियंत्रित करने के उद्देश्य से बनाए गए कानूनों का अब कोई महत्व नहीं रह गया है। न्यायालय ने मंगला भीमराव इंगले द्वारा दायर एक याचिका पर अपना फैसला सुनाया।

काकोडा ग्राम पंचायत के सरपंच पद पर उनके निर्वाचन को इस आधार पर रद्द कर दिया गया था कि वह चुनाव लड़ने के लिए अयोग्य थीं, क्योंकि उनकी दो से अधिक संतान हैं, जो महाराष्ट्र ग्राम पंचायत अधिनियम, 1959 की धारा 14(1)(जे-1) का उल्लंघन करता है। न्यायमूर्ति पी. एस. नरसिम्हा और न्यायमूर्ति आलोक अराधे की पीठ ने उच्चतम न्यायालय के जुलाई 2003 के एक फैसले का हवाला दिया। इस फैसले में, हरियाणा पंचायती राज अधिनियम, 1994 की वैधता की पड़ताल करने के बाद शीर्ष अदालत ने दो से अधिक जीवित संतान होने पर किसी व्यक्ति को पंचायत पदों के लिए चुनाव लड़ने या उन पदों पर बने रहने के अयोग्य ठहराए जाने को सही ठहराया था।इस बात पर गौर करते हुए कि प्रजनन संबंधी निर्णय लेने का अधिकार, अनुच्छेद 21 के तहत जीवन और व्यक्तिगत स्वतंत्रता के अधिकार का एक अभिन्न अंग है, न्यायालय ने इस मामले को एक बड़ी पीठ के पास भेज दिया। यह पीठ जावेद बनाम हरियाणा राज्य (2003 का फैसला) मामले में तय



किए गए सिद्धांतों पर पुनर्विचार करेगी। न्यायालय ने कहा, हमारा यह मानना है कि दो से अधिक संतान होने पर दंडित करने का प्रावधान करने वाले कानूनों की प्रासंगिकता अब खत्म हो चुकी है।

इन कानूनों का आधार, यानी जनसंख्या अधिक होने का डर, पिछले कुछ दशकों में आए जनसंख्यिकीय बदलावों के कारण अब पूरी तरह से खत्म हो गया है। पीठ ने कहा कि 2.1 कुल प्रजनन दर, जिसे प्रतिस्थापन दर कहा जाता है, एक पीढ़ी को खुद को पूरी तरह से प्रतिस्थापित करने में सक्षम बनाती है। शीर्ष अदालत ने कहा, इसलिए, भले ही भारत की जनसंख्या अभी घट नहीं रही हो, लेकिन कुल प्रजनन दर के प्रतिस्थापन दर से नीचे चले जाने के कारण जल्द ही एक ऐसा जनसांख्यिकीय बदलाव आएगा, जिसमें बुजुर्गों की संख्या बढ़ती जाएगी और कामकाजी उम्र के लोगों की हिस्सेदारी कम हो जाएगी। पीठ ने कहा, अगर हम इस तरह के जनसंख्यिकीय बदलावों पर ध्यान नहीं देते हैं, तो भारत को गंभीर परिणाम भुगतने पड़ेंगे। न्याय हासिल करने के लिए बदलाव के अनुरूप ढलना जरूरी है, क्योंकि ऐसा न कर पाना अन्याय को जन्म देता है। न्यायालय ने कहा कि 2003 के फैसले में एक पूरी तरह से मनमाने कदम को सही ठहराने के लिए जो तर्क दिए गए थे, वे भी उतने ही चिंताजनक हैं।

पीठ ने कहा कि ऐसे कानूनों को बने रहने देने का मतलब है नागरिकों के एक पूरे वर्ग को राजनीतिक प्रतिनिधित्व से बाहर रखना, जबकि इसके लिए दिए गए आधार का सार्वजनिक पद संभालने से कोई तार्किक संबंध नहीं है। पीठ ने कहा कि यह महिलाओं के बच्चे को जन्म देने और लोकतांत्रिक प्रक्रिया में हिस्सा लेने के बीच एक बेहद अनुचित चयन करने के लिए मजबूर करता है, जो अनुच्छेद 21 के तहत मिलने वाले प्रजनन स्वायत्तता के अधिकार का उल्लंघन है।

दिल्ली में मिर्च पाउडर डालकर 70 लाख लूटने वाले छह आरोपी गिरफ्तार, 30 लाख बरामद

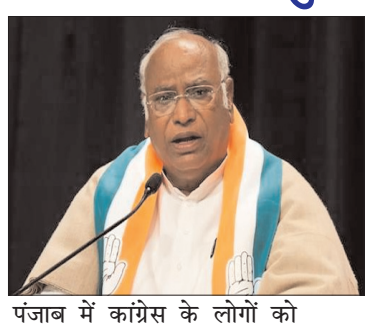
नयी दिल्ली। उत्तर दिल्ली के गुलाबी बाग अंडरपास के पास एक स्कूटी सवार की आंखों में मिर्च पाउडर डालकर कथित रूप से 70 लाख रुपये लूटने के मामले में पुलिस ने मुख्य साजिशकर्ता समेत छह आरोपियों को गिरफ्तार किया है और 30.23 लाख रुपये नकद बरामद किए हैं। पुलिस के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बुधवार को यह जानकारी दी। पुलिस के अनुसार, गिरफ्तार आरोपियों की पहचान बिहार के गया निवासी चंदन कुमार (20), सुषोभन उर्फ सोनू (28), मनीष कुमार उर्फ विक्की (21), योगेश कुमार (30), दिल्ली के बुराड़ी निवासी सीतू (31) और झारखंड के चतरा निवासी मंटू यादव (25) के रूप में हुई है।

पुलिस के अनुसार सीतू के खिलाफ लूट के छह मामले पहले भी दर्ज हैं। उत्तर दिल्ली की पुलिस उपायुक्त (डीसीपी) निहारिका भट्ट ने बताया कि 24 अक्टूबर को शिकायतकर्ता अपने नियोक्ता के कहने पर चांदनी चौक के कूचा घासी राम स्थित कूचा महाजनी से 70 लाख रुपये लेने गया था और रात करीब आठ बजे वह रकम एक काले बैग में रखकर स्कूटी से मायापुरी के लिए रवाना हुआ। उन्होंने कहा कि रात करीब साढ़े नौ बजे गुलाबी बाग अंडरपास और रोशनआरा पार्क के पास मोटरसाइकिल सवार तीन लोगों ने उसकी स्कूटी रोक ली और इनमें से एक ने उसकी आंखों में मिर्च पाउडर डाल दिया, जबकि अन्य दो ने उसके साथ मारपीट की तथा आरोपी नकदी से भरा बैग लेकर फरार हो गए।

पंजाब में कांग्रेस कार्यकर्ताओं को मल्लिकार्जुन खरगे का संदेश, एकजुटता से ही मिलेगी पूरे देश में जीत

संगरूर (पंजाब), 04 नवम्बर। चार नवंबर कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने पंजाब में पार्टी नेताओं और कार्यकर्ताओं से एकजुटता बनाए रखने का आह्वान करते हुए मंगलवार को कहा कि यदि उनकी पार्टी पंजाब विधानसभा चुनाव जीतती है तो वह सारा भारत जीतेगी। उन्होंने कहा कि पार्टी की जीत की शुरूआत पंजाब से होनी चाहिए और इसके लिए सभी को मिलकर काम करना होगा। खरगे ने संगरूर में कांग्रेस की इंसाफ रैली को संबोधित करते हुए प्रदेश की आम आदमी पार्टी की सरकार पर भी तीखा हमला बोला और अरविंद केजरीवाल की पार्टी को भाजपा की बी टीम करार दिया।

उन्होंने दावा किया कि आप गुजरात, गोवा और कई राज्यों में कांग्रेस को नुकसान पहुंचाने का प्रयास कर रही है। उन्होंने भगवंत मान के नेतृत्व वाली सरकार को नशे और भ्रष्टाचार की सरकार करार दिया और आरोप लगाया कि अरविंद केजरीवाल तथा उनके लोग पंजाब में हफ्ता वसूली कर रहे हैं। पार्टी के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी और प्रदेश इकाई के वरिष्ठ नेताओं की मौजूदगी में खरगे ने इस बात पर जोर दिया कि



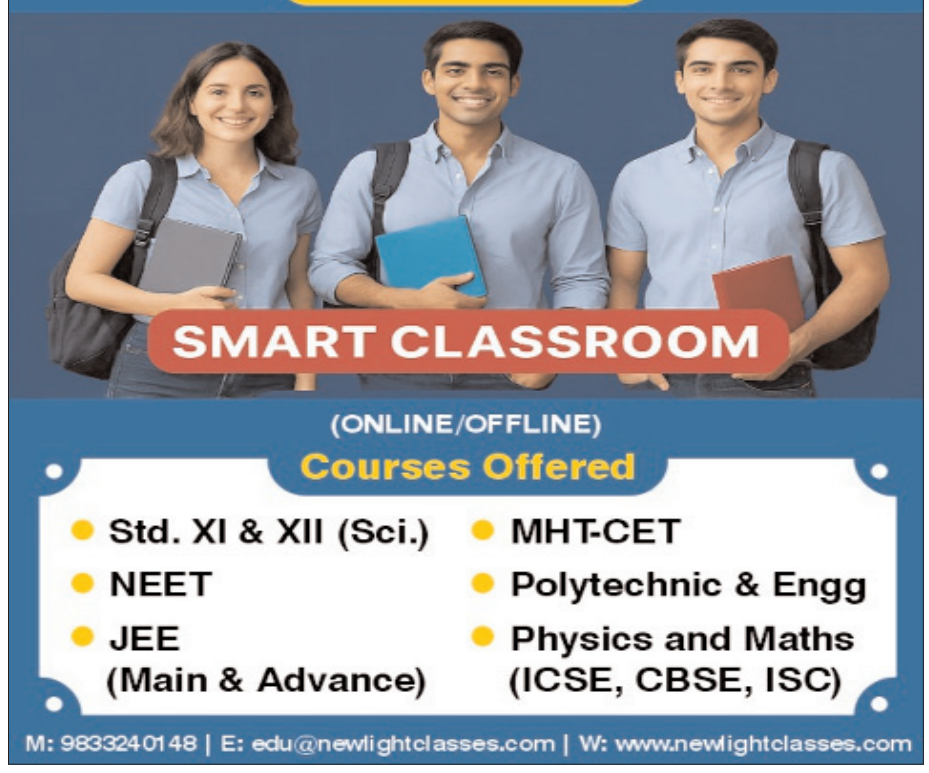
पंजाब में कांग्रेस के लोगों को एकजुटता बनाए रखनी होगी।

उन्होंने कहा, अगर हम पंजाब जीतेंगे तो सारा भारत जीतेंगे, यह मेरा दावा है। जीत यहां से शुरू होनी चाहिए और इसके लिए हम सबको मिलकर रहना चाहिए। कांग्रेस अध्यक्ष ने एक नवंबर को दिल्ली के रामलीला मैदान में आयोजित रैली का उल्लेख करते हुए कहा कि कई राज्यों और केंद्र में बैठी सरकारें वोट चोरी की सरकार हैं। इसी मुद्दे को लेकर वहां बहुत बड़ी रैली आयोजित की गई थी। उन्होंने आरोप लगाया कि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) और राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) देश में स्थापित प्रमुख संस्थाओं को खत्म करने का प्रयास कर रहे हैं।

DAKS REHAB CENTRE
(PARALYSIS PHYSIOTHERPHY CENTER AND OLD AGE HOME)
Contact us: 9820519851
विल्डिंग नंबर 3, प्लॉट नंबर 3, आदर्श घरकुल सोसायटी सायन कोलीवाडा जीटीबी नगर मुंबई-37
* Stroke/Paralysis/Complete Rehab Centre
* बाहर से आये रोगी और उनके परिजनो के ठहरने कि व्यवस्था
* वृद्ध लोगों के लिए रहने की सुविधा उपलब्ध
* DM/HT/THYROID इन सब से कैसे बचें
* NGO में मिलनेवाली सहायता को लोगों में देना
* चिकित्सा उपकरणो को किराये और बिक्री सुविधा उपलब्ध
* एम्बुलेंस सेवा उपलब्ध
* पोस्ट ऑपरेटिव रिहैब सेंटर
* मरीजों के लिए घर पर 12 और 24 घंटे जीडीए परिचारक
* विशेषज्ञ डॉक्टरो से ऑनलाइन और ऑफलाइन परामर्श की सुविधा उपलब्ध
* मासिक ईएमआई के आधार पर व्यक्तीयों, परिवारो और माता-पिता के लिए स्वास्थ्य निती की चिकित्सा सुविधा उपलब्ध



TIWARI'S SARASWATI CLASSES
Since 1992
Parents' First Choice for 34+ Years
Prof. Dr. Dayanand Tiwari
Founder & Academic Director
ADMISSIONS OPEN
9th | 10th | 11th | 12th SCIENCE
NEET | JEE | MHT-CET
10 DAYS FREE DEMO
Attend Classes • Experience Our Teaching
Take Admission After Satisfaction
(No Hidden Conditions)
✓ 34+ Years of Academic Excellence
✓ Experienced & Dedicated Faculty
✓ Personal Attention
✓ Printed Notes & Regular Tests
✓ Strong Foundation for Boards & Competitive Exams
Santacruz Branch
101 Sai Chambers, Opp. Santacruz Railway Station (East), Near Depot, Santacruz (E), Mumbai-400055
Sion Branch
Opp. SIES College (Old), Near Gurukripa Hotel, Sion (West), Mumbai
Limited Seats / Small Batch Size
CALL NOW:
7738007373



प्रदूषण पर राजनीति का धुआं और जनता की घुटती सांसें



-ललित गर्ग

त्योहार खुशियां बांटने के लिए होते हैं, सांसों में जहर घोलने के लिए नहीं। दीपावली प्रकाश, प्रसन्नता, उल्लास और मंगलकामना का पर्व है, लेकिन यदि उत्सव की चमक के पीछे आसमान धुएं से भर जाए, बच्चों और बुजुर्गों का दम घुटने लगे तथा आम आदमी स्वच्छ हवा के लिए तरसने लगे तो हमें अपनी उत्सव परंपराओं और सामाजिक जिम्मेदारियों पर गंभीरता से विचार करना होगा। विडंबना यह है कि आज प्रदूषण जैसी जीवन-मरण की समस्या पर भी राजनीति का धुआं छाने लगा है। जब लोगों की सांसें संकट में हों, तब धर्म, जाति और राजनीतिक विचारधाराओं के चश्मे से समस्या को देखना न केवल दुर्भाग्यपूर्ण है, बल्कि सामाजिक संवेदनहीनता का प्रमाण भी है। अभिनेत्री और पर्यावरण कार्यकर्ता दीया मिर्जा ने पटाखों से होने वाले वायु एवं ध्वनि प्रदूषण के प्रति जागरूकता का संदेश दिया। बृहन्मुंबई महानगरपालिका (बीएमसी) ने अपने



पर्यावरण अनुकूल दीपावली अभियान में उनका वीडियो जारी किया, लेकिन राजनीतिक विवाद के बाद उसे हटा दिया गया। यह सवाल उठना स्वाभाविक है कि प्रदूषण के खिलाफ आवाज उठाना आखिर विवाद का विषय कैसे बन गया? किसी कलाकार का पर्यावरण संरक्षण के पक्ष में बोलना किसी धर्म या त्योहार का विरोध कैसे हो सकता है? मुंबई उच्च न्यायालय द्वारा वीडियो दोबारा जारी करने का निर्देश इस बात का संदेश है कि जनहित की आवाज को राजनीतिक दबाव के आगे दबाया नहीं जाना चाहिए। पर्यावरण संरक्षण किसी व्यक्ति, दल या धर्म की जागीर नहीं, बल्कि समूचे समाज की साझा जिम्मेदारी है।

मुंबई का उदाहरण इस समस्या की गंभीरता को और उजागर करता है। सामान्यतः समुद्र की हवाओं और भौगोलिक स्थिति के कारण मुंबई को दिल्ली की तुलना में अपेक्षाकृत बेहतर वायु संचार का लाभ मिलता है, लेकिन अब वहां भी प्रदूषण का संकट गहराने लगा है। बीएमसी की पर्यावरण स्थिति रिपोर्ट 2025-26 के अनुसार, मुंबई के 14 वायु गुणवत्ता निगरानी केंद्रों में से 13 पर पीएम-10 का वार्षिक औसत स्तर राष्ट्रीय निर्धारित सीमा 60 माइक्रोग्राम प्रति घनमीटर से अधिक पाया गया। चेंबूर और बांद्रा-कुर्ला कॉम्प्लेक्स में यह स्तर 125 माइक्रोग्राम तक पहुंच गया। यह केवल आंकड़ा नहीं, बल्कि महानगरीय विकास की उस दिशा पर प्रश्नचिह्न है जिसमें इमारतें तो ऊंची होती जा रही हैं, लेकिन लोगों के हिस्से की स्वच्छ हवा छोटी होती जा रही है। यह समझना आवश्यक है कि मुंबई हो या दिल्ली, प्रदूषण का पूरा दोष केवल दीपावली के पटाखों पर डालकर हम अपनी जिम्मेदारी से मुक्त नहीं हो सकते। निर्माण स्थलों से उड़ती धूल, सड़कों पर जमा मिट्टी, वाहनों का धुआं, औद्योगिक उत्सर्जन, कचरा जलाना और कमजोर शहरी नियोजन इसके बड़े कारण हैं। पटाखे प्रदूषण की समस्या को त्योहारों के दौरान और गंभीर बनाते हैं, लेकिन प्रदूषण का स्रोत वर्षभर सक्रिय रहता है। इसलिए केवल दीपावली के आसपास प्रतिबंध लगाना और फिर शेष वर्ष आंखें मूंद लेना समस्या का समाधान नहीं, बल्कि मौसमी सक्रियता का प्रदर्शन है। मुंबई में 13 निगरानी केंद्रों का राष्ट्रीय मानक से ऊपर होना बताता है कि समुद्री हवाओं के भरोसे पर्यावरण की रक्षा नहीं की जा सकती।

दिल्ली और राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र की स्थिति तो और भी चिंताजनक है। सर्दियों की शुरूआत होते ही तापमान में गिरावट, हवा की धीमी गति और वातावरण में प्रदूषकों के ठहराव से वायु गुणवत्ता तेजी से बिगड़ती है। दिल्ली, गाजियाबाद, नोएडा, गुरुग्राम और फरीदाबाद के नागरिक हर वर्ष इस जहरीले वातावरण का सामना करते हैं। सुबह की सैर स्वास्थ्य का माध्यम बनने के बजाय जोखिम बन जाती है। बच्चों को खांसी, बुजुर्गों को सांस लेने में परेशानी और पहले से बीमार लोगों को अस्पतालों के चक्कर लगाने पड़ते हैं। जिस हवा में जीवन का संगीत होना चाहिए, उसमें जब प्रदूषण का जहर घुल जाए तो विकास के तमाम दावे बेमानी लगने लगते हैं। इस संदर्भ में सर्वोच्च न्यायालय की सक्रियता महत्वपूर्ण है। न्यायालय ने दिल्ली-एनसीआर में दीपावली के अवसर पर केवल प्रमाणित हरित पटाखों की सीमित बिक्री और निर्धारित समय में उनके उपयोग की अस्थायी अनुमति दी है। 7 और 8 नवंबर के लिए निर्धारित समय सुबह 6 से 7 बजे तथा रात 8 से 10 बजे है। इसके बाद 9 नवंबर से पूर्ण प्रतिबंध फिर प्रभावी होना है। न्यायालय ने नियमों के उल्लंघन और पारंपरिक पटाखों को हरित पटाखों के नाम पर बेचने से रोकने के लिए सख्त निगरानी पर भी जोर दिया है। लेकिन प्रश्न यह है कि आदेश कागज पर सख्त और सड़कों पर बेअसर क्यों रह जाते हैं? हरित पटाखों की आड़ में पारंपरिक पटाखों की बिक्री, निर्धारित समय के बाद आतिशबाजी और प्रतिबंधित सामग्री का खुलेआम कारोबार प्रशासनिक व्यवस्था की पोल खोलता है। कानून बनाना पर्याप्त नहीं, उसका निष्पक्ष और कठोर क्रियान्वयन भी जरूरी है। यदि नियम तोड़ने वालों को राजनीतिक संरक्षण या प्रशासनिक उदासीनता का लाभ मिलता रहा तो न्यायालयों के निर्देश भी धुएं में उड़ते रहेंगे।

दीपावली के उत्सव को सीमित पटाखों, सामूहिक आतिशबाजी और पर्यावरण अनुकूल विकल्पों के साथ भी पूरे उल्लास से मनाया जा सकता है। उत्सव की सार्थकता शोर की तीव्रता में नहीं, बल्कि मन की प्रसन्नता और सामाजिक सद्भाव में है। यह किसी की धार्मिक स्वतंत्रता में हस्तक्षेप नहीं, बल्कि दूसरों के जीवन और स्वास्थ्य के अधिकार का सम्मान है। सबसे बड़ी विडंबना यह है कि जब दीया मिर्जा जैसी अभिनेत्री पर्यावरण संरक्षण का संदेश देती हैं तो उनके संदेश को राजनीतिक विवाद में उलझा दिया जाता है। मुंबई उच्च न्यायालय ने 3 नवंबर को बीएमसी को उनका हटाया गया वीडियो दोबारा अपलोड करने का निर्देश दिया और स्पष्ट किया कि पर्यावरण के मुद्दे को राजनीतिक या सांप्रदायिक रंग देना अनुचित है। न्यायालय की यह टिप्पणी हमारे लोकतांत्रिक विवेक को झकझोरने वाली है।

आज आवश्यकता है कि सरकारें, न्यायपालिका, नगर निकाय, राजनीतिक दल, उद्योग जगत, सामाजिक संगठन और आम नागरिक एक साझा संकल्प के साथ आगे आएं। निर्माण स्थलों पर धूल नियंत्रण हो, वाहनों के उत्सर्जन पर कठोर निगरानी हो, सार्वजनिक परिवहन मजबूत बने, कचरा जलाने पर रोक लगे और प्रदूषण फैलाने वाले उद्योगों की जवाबदेही तय हो। साथ ही नागरिक भी पटाखों के अनावश्यक उपयोग, कचरा जलाने और निजी वाहनों के अंधाधुंध इस्तेमाल से बचें। अंततः सवाल यह नहीं है कि दीपावली पर पटाखे चलें या न चलें, सवाल यह है कि क्या हम आने वाली पीढ़ियों को स्वच्छ हवा और सुरक्षित जीवन दे पाएंगे? राजनीति की अपनी जगह है, धर्म और परंपराओं का अपना महत्व है, लेकिन जीवन से बड़ा कोई उत्सव और स्वास्थ्य से बड़ी कोई परंपरा नहीं हो सकती। याद रखना होगा कि प्रदूषण किसी की जाति, धर्म, भाषा या राजनीतिक विचारधारा देखकर फेफड़ों में प्रवेश नहीं करता। हवा सबकी साझा है और उसका संकट भी सबका साझा संकट है। दीपावली के दीप जलें, घर-आंगन रोशन हों, खुशियां बिखरें, लेकिन किसी की सांसों में अंधेरा न उतरे। प्रकाश का पर्व मनाएं, प्रदूषण का पर्व नहीं। यही समय की पुकार है और यही सच्चे उत्सव का विवेकपूर्ण अर्थ है।

वाणी की मयार्दा, आस्था का मर्म और व्यासपीठ का बदलता स्वरूप



अशोक भाटिया

मध्य प्रदेश के शिवपुरी में बागेश्वर धाम के प्रमुख धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री द्वारा भगवान श्रीराम और भगवान श्रीकृष्ण की तुलना करते हुए दिया गया एक विवादास्पद बयान इन दिनों देशव्यापी विमर्श और गहरे जन-आक्रोश का केंद्र बना हुआ है। एक धार्मिक कथा के दौरान दिए गए इस बयान में उन्होंने भगवान राम को सीधा और मर्यादित बताते हुए, भगवान कृष्ण और उनके पवित्र धाम वृंदावन को लेकर कुछ ऐसी टिप्पणियां कर दीं जिसे ब्रजवासियों, संतों और करोड़ों सनातन धर्मावलंबियों ने आराध्य का घोर अपमान माना। विवाद इस कदर बढ़ा कि चौतरफा घिरे धीरेंद्र शास्त्री को अपनी केन्या यात्रा के दौरान नैरोबी से एक वीडियो संदेश जारी कर हाथ जोड़कर बिना शर्त माफी मांगनी पड़ी। उन्होंने सफाई दी कि उनके बयान को संदर्भ से काटकर पेश किया गया और उनका इरादा भगवान कृष्ण की त्रिभंग मुद्रा (तीन जगह से मुड़ी हुई दिव्य छवि) और उनके नटखट स्वभाव को रेखांकित करना था, न कि उनका उपहास उड़ाना। हालांकि, इस माफीनामे के बाद भी समाज में सुलगती बहस शांत नहीं हुई है। यह पूरी घटना केवल एक कथावाचक की जुबान फिसलने या सोशल मीडिया पर वीडियो वायरल होने तक सीमित नहीं है, बल्कि यह समकालीन भारत में धार्मिक विमर्श के बदलते स्वरूप, व्यासपीठ की गिरती गरिमा, भीड़ को रिझाने की अंधी दौड़ और डिजिटल युग में जन-भावनाओं के त्वरित भड़कने की गंभीर प्रवृत्तियों को उजागर करती है। यह समय इस बात पर बेहद संजीदगी से विचार करने का है कि जो व्यासपीठ सदियों से समाज को नैतिकता, मयार्दा और अध्यात्म का पाठ पढ़ाती आई है, क्या वह आज केवल मनोरंजन, तालियां बटोरने और लाउडस्पीकर संस्कृति का माध्यम बनकर रह गई है?

भारतीय वास्तुकला, दर्शन और अध्यात्म में भगवान श्रीकृष्ण की 'त्रिभंग ललित मुद्रा' को परम सौंदर्य, आनंद और रस का साक्षात स्वरूप माना गया है। भगवान कृष्ण का तीन जगहों से मुड़कर बांसुरी बजाना कोई शारीरिक वक्रता या चरित्र का दोष नहीं है, बल्कि वह ब्रह्मांडीय लीला का वह चरम बिंदु है जहां आकर न्याय, प्रेम और कूटनीति एक साथ समाहित हो जाते हैं। ऐसे में किसी सार्वजनिक मंच से श्रीकृष्ण को 'टेढ़ा' कहना और उनके धाम वृंदावन के प्रति हल्के शब्दों का प्रयोग करना न केवल अज्ञानता को दशार्ता है, बल्कि करोड़ों भक्तों की गहरी आस्था पर आघात भी करता है। सनातन परंपरा की यह सबसे बड़ी खूबसूरती रही है कि यहां हरि और हर, राम और कृष्ण में कभी कोई भेद नहीं माना गया। तुलसीदास जी ने जिस रामचरितमानस की रचना की, उसी परंपरा में सूरदास और रसखान ने कृष्ण भक्ति के सागर बहाए। शास्त्र कहते हैं कि 'एकं सद्विप्रा बहुधा वदंति' अर्थात सत्य एक ही है, विद्वान उसे अलग-अलग नामों से पुकारते हैं। जब हमारे मूल शास्त्र ही राम और कृष्ण को एक ही परम तत्व के दो रूप मानते हैं, तो किसी समकालीन कथावाचक द्वारा मंच पर खड़े होकर उनके बीच तुलनात्मक मूल्यांकन करना और एक को दूसरे से कमतर या श्रेष्ठ दिखाना पूरी तरह से अतार्किक और परंपरा-विरोधी प्रतीत होता है।

इस पूरे विवाद का एक सबसे चिंताजनक पहलू यह है कि आज के दौर में कथावाचक पौराणिक आख्यानों को जनमानस तक

हिन्दी दैनिक
उत्तरशक्ति
मार्गदर्शन

पहुंचाने के लिए 'मास अपील' या भीड़ को रिझाने की कला पर अत्यधिक निर्भर हो गए हैं। आधुनिक दौर के कई कथावाचकों ने व्यासपीठ को एक ऐसे लोक-मंच में तब्दील कर दिया है जहां गंभीर आध्यात्मिक चचाओं की जगह लटके-झटके, शेरो-शायरी, हास्य-व्यंग्य और चमत्कारों के दावों ने ले ली है। मंच पर उपस्थित हजारों-लाखों की भीड़ को बांधे रखने और उन्हें लगातार ताली बजाने पर मजबूर करने के मनोवैज्ञानिक दबाव में कई बार कथावाचक अपनी भाषा का नियंत्रण खो बैठते हैं। हास्य पैदा करने के चक्कर में वे भूल जाते हैं कि वे किसी लाफ्टर शो के मंच पर नहीं, बल्कि उस परम पवित्र व्यासपीठ पर बैठे हैं जिसका एक-एक शब्द समाज के लिए मार्गदर्शक होना चाहिए। धीरेंद्र शास्त्री के इस बयान के पीछे भी वही मानसिकता दिखाई देती है जहां श्रोताओं को गुदगुदाने या एक नया नैरेटिव देने के प्रयास में शब्दों के चयन में भारी लापरवाही बरती गई। जब धार्मिक मंचों पर गंभीरता की जगह लोक-लुभावनवाद हावी होने लगता है, तो इस तरह के वैचारिक और भाषाई स्खलन अनिवार्य हो जाते हैं।

डिजिटल क्रांति और सोशल मीडिया के इस युग ने इस समस्या को और अधिक जटिल बना दिया है। आज किसी भी कथा की लाइव स्ट्रीमिंग होती है और चंद सेकंड के भीतर उसके छोटे-छोटे हिस्से (रील्स और शॉर्ट्स) बनाकर इंटरनेट पर तैरने लगते हैं। धीरेंद्र शास्त्री ने अपनी सफाई में बार-बार यही तर्क दिया कि उनका पूरा वीडियो नहीं देखा गया और केवल 'कट-पेस्ट' करके विवाद खड़ा किया गया। हालांकि सोशल मीडिया के इस दौर में यह बहाना पूरी तरह स्वीकार्य नहीं हो सकता। यदि आप एक सार्वजनिक हस्ती हैं और लाखों लोग आपको सुनते हैं, तो यह आपकी प्राथमिक जिम्मेदारी है कि आप ऐसे शब्दों का प्रयोग ही न करें जिन्हें संदर्भ से अलग करने पर समाज में विद्वेष फैले। इंटरनेट के इस दौर में आधी-अधूरे सच और सनसनीखेज क्लिपिंग्स का वायरल होना एक कड़वी हकीकत है। इस वास्तविकता से आंखें मूंदकर मंच पर कुछ भी बोल देना और बाद में सोशल मीडिया को दोष देना अपनी जिम्मेदारी से भागने जैसा है। आधुनिक कथावाचकों को यह समझना होगा कि उनके मुख से निकला एक-एक शब्द अब केवल पंडाल में बैठे लोगों तक सीमित नहीं है, बल्कि वह वैश्विक स्तर पर रिकॉर्ड हो रहा है और उसका त्वरित सामाजिक प्रभाव पड़ रहा है।

इस विवाद ने भारतीय राजनीति को भी एक नया और आक्रामक अखाड़ा प्रदान कर दिया है। यह मामला सिर्फ एक बयान तक सीमित नहीं रहा, बल्कि अब इस पर बड़े कानूनी कदम भी उठने लगे हैं। सांसद पप्पू यादव ने दिल्ली के संसद मार्ग थाने पहुंचकर धीरेंद्र शास्त्री के खिलाफ एफआईआर दर्ज करने की मांग की है। वहीं दूसरी तरफ, समाजवादी पार्टी के प्रमुख अखिलेश यादव ने बिना नाम लिए इस पर तीखी आपत्ति जताते हुए इसे विदेशी या आंतरिक ताकतों की मदद से हिंदू धर्म को बदनाम करने और सामाजिक सौहार्द बिगाड़ने की साजिश करार दिया है। अखिलेश यादव ने यहां तक सवाल उठाया कि ऐसे लोग किसके राजनीतिक संरक्षण में सक्रिय हैं और मांग की कि इनके सभी कार्यक्रम तुरंत रद्द होने चाहिए। राजनीति का यह तीखा रुख यह साफ करता है कि भारत में धर्म और राजनीति का अंतसंबंध कितना संवेदनशील है। जब भी कोई धार्मिक गुरु विवादों में घिरता है, राजनीतिक दल तुरंत सक्रिय होकर इसे अपने एजेंडे के अनुकूल मोड़ देने की कोशिश में जुट जाते हैं। संपादकीय दृष्टिकोण से यह देखना बेहद जरूरी है कि धार्मिक विवादों को जब विशुद्ध रूप से राजनीतिक चश्मे से देखा जाने लगता है, तो मूल समस्या—यानी व्यासपीठ की मयार्दा और भाषाई शुचिता—का मुद्दा कहीं पीछे छूट जाता है और केवल राजनीतिक नूराकुश्ती ही शेष रह जाती है। इस पूरे प्रकरण से जो सबसे बड़ा सबक मिलता है, वह यह है कि अब समय आ गया है जब भारत के शीर्ष संतों, मठाधीशों और धार्मिक विद्वानों को सामूहिक रूप से आगे आकर व्यासपीठ के लिए एक आचार संहिता तय करनी चाहिए। व्यासपीठ किसी व्यक्ति विशेष की जागीर नहीं है, यह उस ज्ञान और परंपरा का प्रतीक है जो महर्षि वेदव्यास से शुरू होकर हम तक पहुंची है। यदि कोई भी कथावाचक—चाहे उसकी लोकप्रियता कितनी ही अधिक क्यों न हो—इस पीठ पर बैठकर मर्यादित भाषा का उल्लंघन करता है, तो उसे धार्मिक बिरादरी द्वारा ही टोका जाना चाहिए। आत्म-नियमन ही वह एकमात्र तरीका है जिससे सनातन परंपरा की मूल भावना को अक्षूर्ण रखा जा सकता है। कथाओं का मुख्य उद्देश्य समाज में शांति, करुणा, सदाचार और ईश्वर के प्रति निष्काम प्रेम जगाना होना चाहिए, न कि विवादों के जरिए खुद को चर्चा में बनाए रखना। धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री ने माफी मांगकर निश्चित रूप से एक बड़े टकराव को टालने का प्रयास किया है, लेकिन ब्रज के संतों और विद्वानों का यह आक्रोश इस बात की चेतावनी है कि आस्था के शिखरों पर बैठे लोगों को अपनी वाणी के प्रति अत्यंत सतर्क रहना होगा। वाणी का तीर एक बार कमान से छूट जाए तो वह घाव कर ही देता है, भले ही बाद में उस पर माफी का मरहम लगाने की कोशिश की जाए। यह विवाद पूरे देश के धार्मिक प्रचारकों के लिए एक गंभीर आत्मचिंतन का क्षण है कि वे धर्म की व्याख्या मनोरंजन के लिए कर रहे हैं या लोक-कल्याण के लिए।

दीपोत्सव, भारत का उत्सवः शहर की रोशनी से झिलमिलाती गांव की तस्वीर

विक्रम दयाल

भारत उत्सवों और परंपराओं का देश है। यहां त्योहार केवल खुशियां मनाने का अवसर नहीं होते, बल्कि वे हमारी संस्कृति, सभ्यता, धार्मिक आस्था, सामाजिक एकता और पारिवारिक संबंधों के जीवंत प्रतीक भी होते हैं। दीपावली ऐसा ही एक महान पर्व है, जिसकी रोशनी केवल घरों के आंगन तक सीमित नहीं रहती, बल्कि जीवन में आशा, विश्वास, सद्भाव और सकारात्मकता का संदेश लेकर आती है। दीपोत्सव वास्तव में भारत का उत्सव है, लेकिन आज इसके बदलते स्वरूप में शहरों की चकाचौंध और गांवों की वास्तविकता के बीच एक बड़ा अंतर दिखाई देने लगा है। दीपावली का पौराणिक और पारंपरिक महत्वः भारतीय पौराणिक मान्यताओं के अनुसार, त्रेतायुग में चौदह वर्ष का वनवास पूरा करने के बाद मयार्दा पुरुषोत्तम भगवान श्रीराम जब माता सीता और अनुज लक्ष्मण के साथ अयोध्या लौटे थे, तब अयोध्यावासियों ने घी के दीप जलाकर उनका स्वागत किया था। संपूर्ण अयोध्या नगरी दीपों की रोशनी से जगमगा उठी थी। तभी से दीपावली को अंधकार पर प्रकाश, असत्य पर सत्य और अधर्म पर धर्म की विजय के प्रतीक के रूप में मनाया जाता है। यह पर्व हमें भगवान श्रीराम के आदर्शों, माता लक्ष्मी की कृपा, भगवान गणेश की मंगलकामना और जीवन में सदाचार अपनाने की प्रेरणा देता है। दीप जलाने का वास्तविक अर्थ केवल घर को रोशन करना नहीं, बल्कि अपने भीतर के अज्ञान, अहंकार, ईर्ष्या, द्वेष और नकारात्मक विचारों को समाप्त करना भी है। शहरों की चमक-दमक और गांवों की बदलती तस्वीरः आज दीपावली का स्वरूप काफी बदल गया है। महानगरों में ऊंची-ऊंची इमारतें रंग-बिरंगी विद्युत झालरों से सजी दिखाई देती हैं। बाजारों में खरीदारी की भीड़, बड़े-बड़े शोरूम की सजावट, महंगे उपहार, आतिशबाजी और आधुनिक प्रकाश व्यवस्था त्योहार की भव्यता को प्रदर्शित करते हैं। शहरों में दीपोत्सव की चमक दूर से ही आकर्षित करती है। लेकिन इस चमकती तस्वीर के पीछे एक दूसरा भारत भी है, जो गांवों में बसता है। जहां आज भी अनेक परिवार आर्थिक कठिनाइयों से जूझते हुए दीपावली की खुशियां मनाने का प्रयास करते हैं। किसी घर में तेल और घी के दीप जलते हैं, तो किसी घर में सीमित साधनों के कारण मिट्टी का एक छोटा-सा दीपक ही पूरे परिवार की खुशी बन जाता है। गांवों में कभी दीपावली की पहचान मिट्टी के दीयों, गोबर से लीपे आंगनों, रंगोली, घर की चौखट पर बने शुभ चिह्नों, पकवानों की सुगंध और सामूहिक मेल-मिलाप से होती थी। कुम्हार महीनों पहले से दीये तैयार करते थे। महिलाएं घरों की सफाई और सजावट में जुट जाती थीं। बच्चे नए कपड़ों और मिठाइयों की प्रतीक्षा करते थे। रिश्तेदार एक-दूसरे के घर पहुंचकर शुभकामनाएं देते थे। आज भी गांवों में यह परंपरा जीवित है, लेकिन आधुनिकता, आर्थिक असमानता और बाजारवाद के



-विक्रम दयाल

प्रभाव ने इसके स्वरूप को बदल दिया है। त्योहार की खुशियों पर महंगाई और आर्थिक असमानता का सायाः दीपावली खुशियों का पर्व है, लेकिन महंगाई ने अनेक परिवारों के उत्साह को सीमित कर दिया है। तेल, घी, मिठाई, कपड़े, फल, सूखे मेवे और दैनिक उपयोग की वस्तुओं के बढ़ते दाम आम आदमी की जेब पर भारी पड़ते हैं। एक ओर संपन्न वर्ग महंगे उपहारों और आकर्षक सजावट पर हजारों रुपये खर्च करता है, वहीं दूसरी ओर मेहनतकश परिवार अपने बच्चों की छोटी-छोटी इच्छाएं पूरी करने के लिए भी संघर्ष करता है। क्या दीपावली की खुशियों का अधिकार केवल आर्थिक रूप से संपन्न लोगों तक सीमित रहना चाहिए? क्या त्योहार की सार्थकता महंगे उपहारों, विद्युत सजावट और आतिशबाजी से ही तय होगी? नहीं! दीपावली का वास्तविक आनंद तो उस समय है, जब किसी गरीब के घर भी चूल्हा जले, किसी जरूरतमंद के बच्चे के चेहरे पर मुस्कान आए और कोई बुजुर्ग अकेलेपन के अंधेरे में न रहे। गांव की अर्थव्यवस्था और परंपरागत कारीगरों का सवालः भारत की आत्मा गांवों में बसती है। दीपावली के अवसर पर कुम्हार, बढ़ई, बुनकर, मिठाई बनाने वाले छोटे दुकानदार, कारीगर और असंख्य श्रमिक अपनी मेहनत से त्योहार की खुशियों को आकार देते हैं। मिट्टी के दीये बनाने वाला कुम्हार केवल एक वस्तु नहीं बेचता, बल्कि भारतीय परंपरा की रोशनी को आगे बढ़ाता है। फिर भी बड़े बाजारों में मशीनों से बने सस्ते और आकर्षक उत्पादों की प्रतिस्पर्धा के कारण उसका पारंपरिक व्यवसाय प्रभावित होता है। यदि हम वास्तव में स्वदेशी और आत्मनिर्भर भारत की भावना को मजबूत करना चाहते हैं, तो दीपावली पर स्थानीय कारीगरों और छोटे व्यापारियों से खरीदारी को प्राथमिकता देनी होगी। मिट्टी के दीये जलाना केवल परंपरा निभाना नहीं, बल्कि गांव की अर्थव्यवस्था को सहारा देना भी है। दीपोत्सव में सामाजिक समरसता और मानवीय संवेदना की आवश्यकताः दीपावली का संदेश किसी एक वर्ग, जाति या समुदाय तक सीमित नहीं है। यह सामाजिक समरसता, प्रेम, सहयोग और भाईचारे का पर्व है। इस दिन हमें अपने आसपास रहने वाले जरूरतमंदों, श्रमिकों, असहायों और आर्थिक रूप से कमजोर परिवारों को भी अपनी खुशियों में सहभागी बनाना चाहिए। किसी गरीब परिवार को मिठाई देना, किसी जरूरतमंद बच्चे को वस्त्र देना, किसी अकेले बुजुर्ग के पास बैठकर उसका हाल पूछना और किसी के घर में दीप जलाने का साधन उपलब्ध कराना भी दीपावली की सच्ची पूजा है। हमारे धर्मग्रंथों में भी परोपकार, दया और सेवा को श्रेष्ठ मानवीय गुण बताया गया है। जब तक समाज के अंतिम व्यक्ति के जीवन में खुशियों का दीप नहीं जलेगा, तब तक दीपोत्सव की पूर्णता अधूरी रहेगी। पर्यावरण संरक्षण भी हमारी जिम्मेदारीः आज दीपावली के साथ प्रदूषण और पर्यावरण संरक्षण का प्रश्न भी गंभीर होता जा रहा है। अनियंत्रित आतिशबाजी से वायु और ध्वनि प्रदूषण बढ़ता है। इसका प्रभाव बच्चों, बुजुर्गों, पशु-पक्षियों और प्रकृति पर पड़ता है। हमें अपनी धार्मिक परंपराओं को आधुनिक जिम्मेदारियों के साथ जोड़ना होगा। मिट्टी के दीप जलाएं, स्वच्छता बनाए रखें, अनावश्यक शोर और प्रदूषण से बचें तथा प्रकृति के प्रति संवेदनशील रहें। आखिर प्रकृति भी हमारी संस्कृति और जीवन का अभिन्न अंग है। शहर की रोशनी तभी सार्थक, जब गांव का आंगन भी जगमगाएः आज आवश्यकता केवल शहरों को रोशन करने की नहीं, बल्कि गांवों के जीवन स्तर को भी बेहतर बनाने की है। गांवों में शिक्षा, स्वास्थ्य, सड़क, बिजली, रोजगार और स्वच्छ पेयजल जैसी मूलभूत सुविधाओं का विस्तार होना चाहिए। ग्रामीण युवाओं को रोजगार के अवसर मिलें, किसानों को उनकी मेहनत का उचित मूल्य मिले और पारंपरिक कारीगरों को सम्मान तथा बाजार उपलब्ध हो। सरकार की विकास योजनाओं का वास्तविक लाभ गांव के अंतिम व्यक्ति तक पहुंचे, तभी आत्मनिर्भर भारत और विकसित भारत का सपना साकार हो सकेगा। दीपावली के अवसर पर हमें यह भी विचार करना चाहिए कि क्या हमारी विकास यात्रा में गांव पीछे छूटते जा रहे हैं? क्या शहरों की चमक के बीच ग्रामीण भारत की कठिनाइयां अनदेखी हो रही हैं? विकास का अर्थ केवल ऊंची इमारतें, चौड़ी सड़कें और जगमगाते बाजार नहीं, बल्कि प्रत्येक नागरिक के जीवन में सम्मान, सुरक्षा, सुविधा और खुशहाली लाना भी है। उपसंहारः दीपोत्सव भारत की आत्मा का उत्सव है। यह हमें सिखाता है कि एक छोटा-सा दीपक भी घने अंधकार को चुनौती दे सकता है। इसलिए हमारी कोशिश होनी चाहिए कि दीपावली की रोशनी केवल महानगरों की ऊंची इमारतों और बाजारों तक सीमित न रहे, बल्कि देश के प्रत्येक गांव, गरीब की झोपड़ी और जरूरतमंद के जीवन तक पहुंचे। याद रखिए, दीपावली की सार्थकता बिजली की झालरों की चमक में नहीं, बल्कि मनुष्य के मन में जलने वाले प्रेम, विश्वास और संवेदना के दीप में है। शहर की रोशनी से झिलमिलाती गांव की तस्वीर तभी भारत की वास्तविक समृद्धि बनेगी, जब हर घर में खुशहाली होगी, हर चेहरे पर मुस्कान होगी और किसी गरीब की दीपावली आर्थिक विवशता के कारण फीकी नहीं पड़ेगी। आइए, इस दीपोत्सव पर संकल्प लें कि हम अपने घर के साथ-साथ किसी जरूरतमंद के जीवन में भी प्रकाश फैलाएंगे। क्योंकि भारत का उत्सव तभी पूर्ण होगा, जब भारत का प्रत्येक नागरिक उसकी खुशियों में सहभागी होगा। दीप जले तो हर आंगन में, खुशियों का संचार हो। शहर-गांव का भेद मिटे, भारत का उद्धार हो।

क्या ज्ञानेश कुमार को हटा पायेगा इण्डिया गठबंधन का शक्ति प्रदर्शन?



-निर्मल रानी

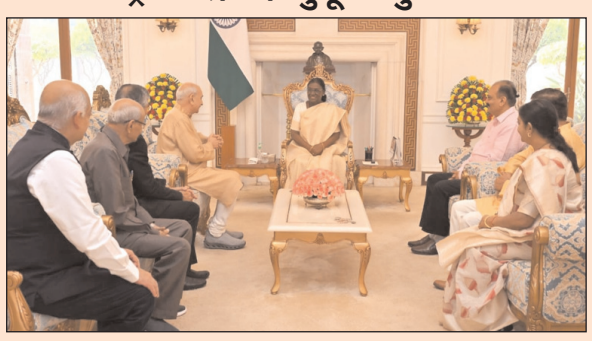
गत 1 नवंबर 2026 को दिल्ली के रामलीला मैदान में इण्डिया गठबंधन द्वारा आयोजित ऐतिहासिक 'वोट बचाओ, देश बचाओ' महारैली में विपक्षी दलों की भारी एकजुटता देखने को मिली। मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के इस्तीफे और मतदाता सूची में कथित गड़बड़ियों के खिलाफ बुलाई गई इस रैली में देश के कई प्रमुख दलों के शीर्ष नेतृत्व ने हिस्सा लिया। इस रैली में भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस पार्टी के सबसे प्रमुख नेताओं में लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी, कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे, पूर्व अध्यक्ष सोनिया गांधी और प्रियंका गांधी वाड्रा शामिल हुए। इसके अलावा वरिष्ठ नेता के.सी. वेणुगोपाल, डी.के. शिवकुमार और अभिषेक मनु सिंघवी भी मंच पर मौजूद रहे। जबकि समाजवादी पार्टी की ओर से उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री और सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने इस रैली में अपनी पार्टी का नेतृत्व किया। तृणमूल कांग्रेस की तरफ से पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री और टीएमसी सुप्रीमो ममता बनर्जी विपक्ष की इस महारैली में विशेष रूप से शामिल हुईं। तथा राष्ट्रीय जनता दल की ओर से बिहार के पूर्व उपमुख्यमंत्री और युवा नेता तेजस्वी यादव ने मंच से रैली को संबोधित किया। इसी तरह पीपुल्स डेमोक्रेटिक पार्टी की ओर से जम्मू-कश्मीर की पूर्व मुख्यमंत्री महबूबा मुफ़्ती राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी शरद पवार गुट से सुप्रिया सुले नेशनल कॉन्फ्रेंस से जम्मू-कश्मीर के पूर्व मुख्यमंत्री व पार्टी प्रमुख फारूक अब्दुल्ला, आम आदमी पार्टी की ओर से पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान व अन्य कई विपक्षी दलों के अनेक वरिष्ठ नेता इस विशाल रैली को संबोधित करते या सम्मिलत होते दिखाई दिए। इस रैली में 'कॉकरोच जनता पार्टी' की भी बाहरी तौर पर एक बड़े रैली समर्थक संगठन की सक्रिय भूमिका नजर आई। कॉकरोच जनता पार्टी के संस्थापक अभिजीत दिपके ने रैली से ठीक पहले सोशल मीडिया पर आधिकारिक घोषणा करते हुए इस रैली को अपना पूर्ण समर्थन दिया था। सीजेपी का मुख्य एजेंडा भी देश में चुनावी शुचिता और मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार को हटाना रहा है। इस महारैली में ऑल इंडिया स्टूडेंट्स एसोसिएशन आईसा की राष्ट्रीय अध्यक्ष और प्रमुख छात्र नेता नेहा बोरा और उनके संगठन की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण और आक्रामक रही। इस रैली के जरिए नेहा बोरा मुख्यधारा की राजनीति के बड़े विपक्षी नेताओं के साथ कंधे से कंधा मिलाकर एक बड़े युवा चेहरे के रूप में उभरी हैं। नेहा बोहरा ने तो अपने संक्षिप्त परन्तु तीखा भाषण देते हुये सीधे तौर पर मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार को निष्पक्ष होने के बजाय सत्ता पक्ष का इलेक्शन मैनेजर करार दिया। उन्होंने चेतावनी भरे लहजे में कहा कि लोकतंत्र से खिलवाड़ करने वाले अधिकारियों पर न केवल महाभियोग चलना चाहिए, बल्कि उन्हें जेल भी भेजा जाना चाहिए। परन्तु सवाल यह है कि क्या इंडिया गठबंधन का यह विशाल शक्ति प्रदर्शन सरकार पर इतना दबाव डाल सकेगा कि सरकार ज्ञानेश कुमार को उनके पद से हटा दे ? निश्चित रूप से इण्डिया गठबंधन के पास पूर्व केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान का ताजातरीन उदाहरण है जिन्हें गत 25 जुलाई 2026 को भारी सार्वजनिक और राजनीतिक दबाव के चलते त्यागपत्र देना पड़ा था। उस समय अभूतपूर्व जन-आक्रोश और देशव्यापी दबाव को देखते हुए ही धर्मेंद्र प्रधान ने नैतिक जिम्मेदारी लेते हुए इस्तीफा दे दिया था। यह नरेंद्र मोदी सरकार के इतिहास में जनता के सीधे दबाव में किसी बड़े कैबिनेट मंत

रविंद्र चव्हाण के नेतृत्व में अखिल भारतीय कामगार कर्मचारी संघ का शानदार प्रदर्शन; हजारों कर्मचारियों को आर्थिक लाभ और नौकरी की सुरक्षा का भरोसा



मुंबई (उत्तरशक्ति)। भारतीय जनता पार्टी महाराष्ट्र प्रदेश अध्यक्ष एवं अखिल भारतीय कामगार कर्मचारी संघ के अध्यक्ष रविंद्र चव्हाण के सक्षम नेतृत्व में संघ ने विभिन्न प्रतिष्ठानों में कार्यरत कामगारों और कर्मचारियों की लंबित समस्याओं को हल करने में महत्वपूर्ण सफलता हासिल की है। संगठन के निरंतर प्रयासों और प्रभावी पहल के चलते हजारों कर्मचारियों को दिवाली बोनस, वेतन वृद्धि, बकाया राशि और नौकरी की सुरक्षा के रूप में बड़ी आर्थिक राहत मिली है। संघ की प्रमुख उपलब्धियों में निम्नलिखित सफलताएं शामिल हैं। AGILE (IndiGo Airlines) : लगभग 2,500 कर्मचारियों को प्रत्येक 18,000 से 25,500 रुपये तक का दिवाली बोनस दिलाने में सफलता मिली। NCPA : कर्मचारियों को प्रत्येक 57,500 रुपये का दिवाली बोनस तथा वेतन में प्रतिमाह 7,500 रुपये की वृद्धि दिलाई गई। इससे कर्मचारियों को प्रतिवर्ष 90,000 रुपये का अतिरिक्त आर्थिक लाभ मिलेगा। चेतना कॉलेज, बांद्रा पूर्व : कर्मचारियों को सातवां वेतन आयोग लागू करवाने के साथ ही प्रत्येक कर्मचारी को लगभग 3 लाख रुपये की बकाया राशि दिलाने में सफलता मिली। AIASL : केंद्रीय श्रम आयुक्त के स्तर पर प्रबंधन के साथ हुई चर्चा में सभी कर्मचारियों को बोनस, प्रतिवर्ष 1,000 रुपये की वेतन वृद्धि, 58 वर्ष की आयु तक सेवा निरंतरता बनाए रखने तथा कर्मचारियों की सेवा समाप्ति रोकने जैसे महत्वपूर्ण मुद्दों पर सहमति बनी। संगठन के अनुसार, ये उपलब्धियां संघ के अध्यक्ष रविंद्र चव्हाण और महासचिव सुहास माटे के मार्गदर्शन एवं नेतृत्व के साथ ही संगठन के पदाधिकारियों, कार्यकताओं और सदस्यों की एकजुटता का परिणाम हैं। कामगारों और कर्मचारियों को उचित वेतन, बोनस, आर्थिक स्थिरता, नौकरी की सुरक्षा और सम्मान दिलाने के लिए संगठन भविष्य में भी लगातार संघर्ष करता रहेगा। संघ के महासचिव सुहास माटे ने कहा कि 'कामगारों की एकजुटता, सक्षम नेतृत्व और संघर्ष के माध्यम से न्याय' ही अखिल भारतीय कामगार कर्मचारी संघ की सफलता का मूलमंत्र है।

देश के आयुर्वेद से जुड़े विद्वानों ने की राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू से मुलाकात



मुंबई (उत्तरशक्ति)। आयुर्वेद शिक्षण ,शास्त्र एवं चिकित्सा पद्धति की देश की सर्वोच्च संस्था, भारत सरकार की संकाय, राष्ट्रीय आयुर्वेद विद्यापीठ के अध्यक्ष पद्मश्री पद्मभूषण वैद्य देवेंद्र त्रिगुणा के नेतृत्व में देश के चुने हुए आयुर्वेद से जुड़े विद्वानों के प्रतिनिधिमंडल ने आज सुबह राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू से दीपावली के उपलक्ष्य में सौहार्दपूर्ण भेंट की. भारत सरकार आयुष मंत्रालय के सचिव विद्वान वैद्य पद्मश्री राजेश कोटेचा, अखिल भारतीय आयुर्वेद महासम्मेलन के वर्तमान अध्यक्ष वैद्य राकेश अमरनाथ शर्मा , महाराष्ट्र आयुर्वेद संमेलन की महामंत्री एवं महाराष्ट्र आरोग्य विज्ञान विद्यापीठ (MUHS) के अनेक समितियों की सदस्या तथा सर्जरी अलाइड बोर्ड की चेअरमन वैद्या ऋजुता ओमप्रकाश दुबे , आयुष मंत्रालय भारत सरकार के भूतपूर्व सलाहकार, विचारक एवं पॉलिसी मेकर वैद्य मनोज नेसरी ,धूतपापेश्वर लिमिटेड के प्रबंध निदेशक रणजीत आनंद पुराणिक तथा निखिल भारतीय आयुर्वेद विद्यापीठ के अध्यक्ष वैद्य ताराचंद शर्मा आदि मान्यवर विद्वान इस प्रतिनिधिमंडल में शामिल थे. इस अवसर पर आयुर्वेद चिकित्सा पद्धति एवं अनुसंधान आदि विषयों पर राष्ट्रपती से विस्तारपूर्वक चर्चा की गई, जिसपर राष्ट्रपति ने सुझाव दिया कि आयुर्वेद चिकित्सा पद्धति की बहुत सारी वनस्पति औषधियां जंगलों मे पायी जाती है जिसके लिए निष्णात वैद्यों को जंगलो मे भ्रमण कर वहां के आदिवासी एवं वनवासी भाइयों से संपर्क कर तथ्यात्मक जानकारी जुटाकर उन वनौषधियों का संवर्धन कर उनकी उपज बढाकर उनका औषधीय उपयोग आंतरराष्ट्रीय स्तर पर करना चाहिए, जिससे की संपूर्ण विश्व को उसका लाभ मिल सके तथा आदिवासी वनवासी समाज के रोजगार को भी बढावा मिल सके.सभी ने उनके सुझाव को गंभीरतापूर्वक सुना एवं इस दिशा में तुरंत कदम बढाने का निर्णय लिया. देश की मुख्य धारा से आयुर्वेद को मिल रहे समर्थन से सभी उत्साहित हुए. ज्ञात हो कि प्रतिनिधिमंडल के दो सदस्य वैद्य राकेश शर्मा एवं वैद्या ऋजुता दुबे ,चर्निरोड मुंबई के मित्तल आयुर्वेद महाविद्यालय के विद्यार्थी रह चुके है।

आचोले पुलिस की बड़ी कार्रवाई, घरफोड़ी करने वाला आरोपी गिरफ्तार

मीरा भायंदर (उत्तरशक्ति)। वसई पूर्व के वालीव क्षेत्र में घरफोड़ी कर सोने-चांदी के आभूषण चोरी करने वाले एक आरोपी को आचोले पुलिस स्टेशन की अपराध प्रकटीकरण शाखा ने गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपी के पास से चोरी किए गए कुल ?1 लाख 5 हजार 500 रुपये मूल्य के सोने-चांदी के आभूषण बरामद कर चोरी के मामले का सफलतापूर्वक खुलासा किया है। पुलिस से प्राप्त जानकारी के अनुसार, 22 सितंबर 2026 को सुबह 10 बजे से दोपहर 2:15 बजे के बीच शिकायतकर्ता शाइन हाफिज सिद्दीकी (37), निवासी साईधाम अपार्टमेंट, पानी की टंकी के पास, नालासोपारा पूर्व, अपनी पत्नी के साथ घर पर ताला लगाकर काम से बाहर गए थे। इसी दौरान अज्ञात चोर ने घर के दरवाजे का ताला तोड़कर अंदर प्रवेश किया और लकड़ी की अलमारी के लॉकर में रखे सोने-चांदी के आभूषण चोरी कर लिए। चोरी हुए आभूषणों की कीमत ?1,05,500 बताई गई। इस मामले में आचोले पुलिस स्टेशन में 28 सितंबर 2026 को भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस), 2023 की धारा 331(3) और 305 के तहत अपराध क्रमांक 483/2026 दर्ज किया गया था।

मामले की जांच के दौरान अपराध प्रकटीकरण शाखा के अधिकारियों और पुलिस टीम ने आरोपी की तलाश शुरू की। गुप्त सूचना तथा सीसीटीवी फुटेज के आधार पर पुलिस को संदिग्ध के बारे में जानकारी मिली। इसके बाद 25 अक्टूबर 2026 को पुलिस ने जानकीपाड़ा, खदान के पास संदिग्ध को हिरासत में लिया। गिरफ्तार आरोपी की पहचान चंद्रकांत रवि लोखंडे (30) के रूप में हुई है। वह अंबेडकर नगर, जानकीपाड़ा, मराठी स्कूल के पास, वालीव, वसई पूर्व का निवासी बताया गया है।

फसल नुकसान का तत्काल पंचनामा करें, कोई भी प्रभावित किसान न छूटे : राज्यमंत्री योगेश कदम

गैर-दुष्कालग्रस्त तहसीलों में भी नुकसान का सर्वे कर शासन को भेजें रिपोर्ट

पालघर(उत्तरशक्ति)। प्रतिकूल मौसम और अन्य प्राकृतिक कारणों से खेती को हुए नुकसान को देखते हुए राज्य सरकार ने प्रभावित किसानों को राहत पहुंचाने की दिशा में कदम उठाए हैं। गृह (शहर), राजस्व, ग्राम विकास एवं पंचायत राज, खाद्य, नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता संरक्षण तथा खाद्य एवं औषधि प्रशासन राज्यमंत्री योगेश कदम ने संबंधित अधिकारियों को जिले में सभी नुकसानग्रस्त फसलों का तत्काल पंचनामा करने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने स्पष्ट कहा कि पंचनामे के दौरान कोई भी प्रभावित फसल या किसान छूटना नहीं चाहिए।

जिलाधिकारी कार्यालय में आयोजित प्रशासनिक समीक्षा बैठक में राज्यमंत्री योगेश कदम ने पालघर जिले के विभिन्न विभागों के कामकाज की विस्तृत समीक्षा की। इस दौरान उन्होंने विशेष रूप से कृषि नुकसान का मुद्दा उठाते हुए कहा कि जिन तालुकों को आधिकारिक रूप से सूखाग्रस्त घोषित नहीं किया गया है, वहां भी खेती को हुए वास्तविक नुकसान का निष्पक्ष आकलन किया जाए। ऐसे क्षेत्रों में भी पंचनामा पूरा कर विस्तृत रिपोर्ट शासन को भेजी जाए, ताकि प्रभावित किसानों को राहत दिलाने के लिए आगे की कार्रवाई की जा सके। बैठक में विधायक राजेंद्र गावित, विधायक रवींद्र फाटक, जिलाधिकारी डॉ. इंदुरानी जाखड़, जिला परिषद के मुख्य कार्यकारी अधिकारी मनोज रानडे, जिला पुलिस अधीक्षक यतीश देशमुख, जिला परिषद की पूर्व अध्यक्ष वैदेही वाढाण, निवासी



उपजिलाधिकारी सुभाष भागड़े, उपजिलाधिकारी रणजीत देसाई सहित विभिन्न विभागों के वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे। बैठक के दौरान राजस्व, ग्रामीण विकास, सार्वजनिक वितरण प्रणाली, पेयजल आपूर्ति, महिला एवं बाल विकास, स्वास्थ्य, आवास योजनाओं, सूखा नियोजन तथा सेवा संकल्प अभियान की प्रगति की विस्तृत समीक्षा की गई। राज्यमंत्री कदम ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि फसल नुकसान के पंचनामे करते समय केवल सूखाग्रस्त घोषित तालुकों तक ही सीमित न रहें, बल्कि जिले के प्रत्येक प्रभावित क्षेत्र में वास्तविक स्थिति का आकलन करें। नुकसान की वस्तुनिष्ठ जानकारी दर्ज कर पंचनामे समय पर पूरे किये जाएं और रिपोर्ट शासन को भेजकर किसानों को राहत दिलाने के लिए आवश्यक अनुवर्ती कार्रवाई की जाए। इसके अलावा उन्होंने शासन की विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ पात्र नागरिकों तक प्रभावी ढंग से पहुंचाने पर जोर दिया। योजनाओं के क्रियान्वयन में आने वाली बाधाओं को दूर करने, लाभार्थियों को समय पर लाभ उपलब्ध कराने तथा विभागों के बीच बेहतर समन्वय स्थापित करने के निर्देश दिए। राज्यमंत्री ने प्रशासनिक कामकाज में तेजी, पारदर्शिता और जनहित को सर्वोच्च प्राथमिकता देने की बात कही। बैठक में जिले के विकास कार्यों, जनकल्याणकारी योजनाओं और प्रशासनिक व्यवस्था की नियमित समीक्षा कर उनके प्रभावी क्रियान्वयन पर विशेष जोर दिया गया।

यादव समाज की बैठक में गोवर्धन पूजा की तैयारियां व रूपरेखा पर चर्चा



भिवंडी। यादव समाज की ओर से आयोजित होने वाली गोवर्धन पूजा की तैयारियों को लेकर मोनालिसा मैरेज गार्डन में बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता गोवर्धन पूजा समिति के अध्यक्ष डॉ. बृजेश यादव ने की। इस दौरान आगामी 9 नवंबर को होने वाले गोवर्धन पूजा महोत्सव की तैयारियों एवं आयोजन की रूपरेखा पर विस्तृत चर्चा कर कई महत्वपूर्ण निर्णय लिए गए। बैठक में समाज के लोगों ने आयोजन को भव्य एवं सफल बनाने के लिए अपने विचार प्रस्तुत किए तथा विभिन्न जिम्मेदारियों को लेकर चर्चा की। इस अवसर पर मंगेश यादव, पी.डी. यादव, मनोज यादव, चंद्रभान यादव, आचार्य सूरजपाल यादव, मनीष यादव, लल्लन यादव, पवन यादव, डॉ. मुन्नालाल यादव सहित यादव समाज के अनेक लोग उपस्थित रहे।

आर्थिक साक्षरता एवं सामाजिक सुरक्षा योजनाओं को लेकर जागरूकता शिविर आयोजित

- बैंक ऑफ महाराष्ट्र और ठाणे जिला मध्यवर्ती सहकारी बैंक की पहल
- ग्रामीणों को सुरक्षित बैंकिंग, बचत व सरकारी योजनाओं की दी गई जानकारी

पालघर(उत्तरशक्ति/अजीत सिंह)। ग्रामीण क्षेत्रों के नागरिकों को आर्थिक रूप से जागरूक एवं आत्मनिर्भर बनाने तथा केंद्र और राज्य सरकार की विभिन्न सामाजिक सुरक्षा योजनाओं का लाभ पहुंचाने के उद्देश्य से दहिसर और खामलोली में आर्थिक साक्षरता शिविर एवं जनजागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। बैंक ऑफ महाराष्ट्र की पारगांव शाखा की ओर से दहिसर ग्राम पंचायत में तथा ठाणे जिला मध्यवर्ती सहकारी बैंक (TDCC बैंक), मनोर शाखा की ओर से खामलोली में इस कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

दहिसर में आयोजित कार्यक्रम में भारतीय रिजर्व बैंक के एलडीओ निशांत यादव, अग्रणी बैंक के जिला प्रबंधक (एलडीएम) विशाल वाघ, बैंक ऑफ महाराष्ट्र पारगांव शाखा के शाखा प्रबंधक नितीन पाईकराव, आर्थिक साक्षरता सलाहकार उज्ज्वला कोकणे, ग्राम पंचायत की सरपंच अंकिता भोईर, ग्रामसेवक रवींद्र खेडकर तथा बैंक मित्र संजय पाटील उपस्थित रहे। वहीं TDCC बैंक की ओर से एस. वाय. पाटील, दीप्ति लाटे, मोनाली पाटील, सचिन पाटील (मुख्यालय, ठाणे) तथा डीआईसी के नाना धडस ने सहभागिता की।



कार्यक्रम में उपस्थित अधिकारियों एवं विशेषज्ञों ने ग्रामीणों को आर्थिक साक्षरता का महत्व समझाते हुए सुरक्षित बैंकिंग लेनदेन, बचत खाते, डिजिटल बैंकिंग के सुरक्षित उपयोग तथा ऑनलाइन आर्थिक धोखाधड़ी से बचने के उपायों की जानकारी दी। इस अवसर पर प्रधानमंत्री जीवन ज्योति बीमा योजना (PMJJBY), प्रधानमंत्री सुरक्षा बीमा योजना (PMSBY), अटल पेंशन योजना (APY), राष्ट्रीय पेंशन प्रणाली (NPS), सार्वजनिक भविष्य निर्वाह निधि (PPF), मुख्यमंत्री रोजगार सृजन कार्यक्रम (CMEGP), फसल ऋण एवं शैक्षणिक ऋण सहित महिलाओं के आर्थिक सशक्तिकरण से जुड़ी विभिन्न योजनाओं के बारे में विस्तार से मार्गदर्शन किया गया। साथ ही योजनाओं का लाभ लेने के लिए आवश्यक दस्तावेज, पात्रता और आवेदन प्रक्रिया की जानकारी भी दी गई। मान्यवरों ने नागरिकों से नियमित बचत की आदत अपनाने, बैंकिंग लेनदेन में सतर्कता बरतने, अपनी गोपनीय बैंकिंग जानकारी किसी के साथ साझा नहीं करने तथा आर्थिक धोखाधड़ी से बचने की अपील की।

जिला स्तरीय डॉजबॉल प्रतियोगिता में रईस हाई स्कूल का उत्कृष्ट प्रदर्शन



भिवंडी (उत्तरशक्ति)। भिवंडी मनपा एवं ठाणे जिला खेल विभाग के संयुक्त तत्वावधान में बुधवार, 4 नवंबर को रईस हाई स्कूल मैदान में जिला स्तरीय अंतरविद्यालयीन एवं कनिष्ठ महाविद्यालयीन डॉजबॉल प्रतियोगिता आयोजित की गई। इसमें भिवंडी तालुका के 18 स्कूलों के 290 छात्र-छात्राओं ने अंडर-14, अंडर-17 और अंडर-19 आयु वर्गों में हिस्सा लिया। प्रतियोगिता में रईस हाई स्कूल एंड जूनियर कॉलेज के खिलाड़ियों ने शानदार प्रदर्शन किया। अंडर-19 बालिका वर्ग के फाइनल मुकाबले में रईस जूनियर कॉलेज की टीम ने मालूमा हाई स्कूल को 3-0 से हराकर खिताब अपने नाम किया। वहीं, अंडर-17 और अंडर-19 बालक वर्ग में रईस की टीमों ने तीसरा स्थान हासिल कर संभागीय स्तर की प्रतियोगिता के लिए क्वालीफाई किया। खिलाड़ियों को इकरा शेख, जाकिर अंसारी और मुसय्यब मोमिन ने प्रशिक्षण एवं मार्गदर्शन दिया। इस सफलता पर केएमई सोसायटी प्रबंध समिति, खेल समिति के चेयरमैन दानिश मदू, रईस हाई स्कूल के चेयरमैन यासर तातली, प्रधानाचार्य जियाउर रहमान अंसारी, उपप्रधानाचार्य आमिर सिद्दीकी, सहायक प्रधानाध्यापक मुखलिस मदू सहित शिक्षक एवं शिक्षकेतर कर्मचारियों ने खिलाड़ियों और प्रशिक्षकों को बधाई देते हुए आगामी प्रतियोगिताओं के लिए शुभकामनाएं दीं।

5वीं राष्ट्रीय कराटे चैंपियनशिप पर प्रतियोगिता में भिवंडी के ग्रैंड मास्टर डॉ. राजाराम देवासानी मुख्य अतिथि



भिवंडी (उत्तरशक्ति)। छत्तीसगढ़ की राजधानी रायपुर स्थित माता कौशल्या धाम के इंडोर हॉल में 31 अक्टूबर एवं 1 नवंबर को 5वीं एसएसकेआईए राष्ट्रीय कराटे चैंपियनशिप-2026 का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता में देश के विभिन्न राज्यों से लगभग 150 खिलाड़ियों ने हिस्सा लिया। इसमें महाराष्ट्र, तेलंगाना, ओडिशा, मध्य प्रदेश, झारखंड, बिहार एवं उत्तर प्रदेश के खिलाड़ियों ने अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया। इस राष्ट्रीय प्रतियोगिता में भिवंडी के ग्रैंड मास्टर डॉ. राजाराम एल. देवसानी (संस्थापक एवं अध्यक्ष, ब्रेव यूथ मार्शल आर्ट्स एसोसिएशन ऑफ इंडिया) को विशेष अतिथि के रूप में आमंत्रित कर सम्मानित किया गया। मार्शल आर्ट्स के क्षेत्र में उनके योगदान और युवा खिलाड़ियों को प्रोत्साहित करने के प्रयासों की सराहना की गई। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में भाजपा कार्यकर्ता बसंत अग्रवाल तथा छत्तीसगढ़ माणिकपुरी पनका समाज के अध्यक्ष भारत दास माणिकपुरी उपस्थित रहे। प्रतियोगिता का सफल आयोजन टूर्नामेंट सचिव शिहान इशांत ईश्वर महंत एवं उनकी टीम ने किया। इस अवसर पर डॉ. देवसानी ने सम्मान के लिए आयोजकों का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि ऐसे राष्ट्रीय आयोजन युवाओं में अनुशासन, आत्मविश्वास और खेल भावना विकसित करने के साथ मार्शल आर्ट्स को बढ़ावा देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। उन्होंने आयोजन टीम को सफल आयोजन के लिए बधाई दी।

मीरा-भायंदर को मंत्री प्रताप सरनाईक का दिवाली तोहफा, मिनी क्लस्टर योजना को मंजूरी

- तीन साल के प्रयासों को मिली सफलता; 10,000 से घटकर 2,500 वर्ग मीटर हुई क्षेत्रफल की शर्त, खतरनाक इमारतों के पुनर्विकास का रास्ता साफ

भायंदर (उत्तरशक्ति)। मीरा-भायंदर में पुरानी और जर्जर इमारतों के पुनर्विकास की दिशा में राज्य सरकार ने एक महत्वपूर्ण कदम उठाया है। महाराष्ट्र सरकार के शहरी विकास विभाग ने 3 नवंबर 2026 को जारी शासन निर्णय के माध्यम से एकीकृत विकास नियंत्रण एवं संवर्धन नियमावली (UDCPR) में नए नियम 10.7.6 को शामिल करने की मंजूरी दी है। इससे शहर में मिनी क्लस्टर योजना के तहत खतरनाक इमारतों के सामूहिक पुनर्विकास का मार्ग प्रशस्त हुआ है। इस निर्णय को परिवहन मंत्री एवं धाराशिव जिले के पालक मंत्री प्रताप सरनाईक के तीन वर्षों के प्रयासों की महत्वपूर्ण सफलता माना जा रहा है। इस फैसले से भायंदर पश्चिम के रानी सती मार्ग स्थित पांच जर्जर इमारतों में रहने वाले 178 परिवारों सहित शहर की अन्य पुरानी इमारतों के निवासियों को राहत मिलने की उम्मीद है। राजनीतिक मतभेदों से ऊपर उठकर नागरिकों की सुरक्षा और आवास के मुद्दे को प्राथमिकता देने के लिए मंत्री सरनाईक की भूमिका की सराहना की जा रही है। 145 नहीं, 146 विधानसभा क्षेत्र के विधायक बने संकटमोचक रानी सती मार्ग की पांच पुरानी और जर्जर इमारतों की स्थिति लंबे समय से चिंताजनक बनी हुई थी। इन इमारतों में रहने वाले 178 परिवारों को सुरक्षा संबंधी समस्याओं और पुनर्विकास में हो रही देरी का सामना करना पड़ रहा था। एक इमारत के खिलाफ प्रशासनिक कार्रवाई के बाद एक परिवार को भारी बारिश के दौरान अपना घर छोड़ने की नौबत भी आई थी। स्थानीय स्तर पर पुनर्विकास को लेकर उत्पन्न विवादों और प्रशासनिक अड़चनों के बीच प्रभावित परिवारों ने आखिरकार 146 विधानसभा क्षेत्र के विधायक एवं मंत्री प्रताप सरनाईक से मदद की गुहार लगाई। बताया जाता है कि प्रभावित परिवारों की समस्याओं को गंभीरता से लेते हुए उन्होंने राजनीतिक सीमाओं से परे जाकर इस मुद्दे को आगे बढ़ाया और समाधान के लिए शासन स्तर पर प्रयास शुरू किए। मंत्रालय में बैठक से शुरू हुई निर्णायक पहल मंत्री प्रताप सरनाईक ने 18 नवंबर 2025 को



मंत्रालय में एक उच्चस्तरीय बैठक आयोजित कर शहरी विकास विभाग के अधिकारियों के समक्ष पुनर्विकास की राह में आ रही बाधाओं का मुद्दा उठाया। उन्होंने पुराने नियमों में निर्धारित 10,000 वर्ग मीटर क्षेत्रफल की अनिवार्य शर्त को संशोधित करने की आवश्यकता पर जोर दिया। इसके बाद उन्होंने तत्कालीन उपमुख्यमंत्री एवं शहरी विकास मंत्री एकनाथ शिंदे के साथ भी इस विषय पर कई बार चर्चा की। प्रस्ताव को नीतिगत और प्रशासनिक मंजूरी दिलाने के लिए लगातार प्रयास किए गए। इस प्रक्रिया में 12 दिसंबर 2025 को मसौदा अधिसूचना जारी कर नागरिकों से आपत्तियां और सुझाव आमंत्रित किए गए। आवश्यक प्रक्रियाओं के बाद 3 नवंबर 2026 को सरकार ने इस महत्वपूर्ण बदलाव को मंजूरी दे दी। मिनी क्लस्टर योजना में बड़े बदलाव नई व्यवस्था के तहत पुनर्विकास की प्रक्रिया को अधिक व्यावहारिक बनाने के लिए कई महत्वपूर्ण शर्तों में बदलाव किए गए हैं। प्रमुख बदलाव इस प्रकार हैं: क्षेत्रफल की शर्त: पुनर्विकास के लिए न्यूनतम आवश्यक क्षेत्रफल 10,000 वर्ग मीटर से घटाकर 2,500 वर्ग मीटर करने का प्रावधान किया गया है। इमारतों की संख्या: सामूहिक पुनर्विकास के लिए कम से कम पांच खतरनाक इमारतों की आवश्यकता को घटाकर तीन इमारतों तक लाने की व्यवस्था की गई है। सड़क की चौड़ाई: संबंधित प्रावधानों के तहत सड़क की न्यूनतम चौड़ाई की शर्त 18 मीटर से घटाकर 12 मीटर की गई है। एफएसआई में प्रोत्साहन: पुनर्वास के लिए आवश्यक क्षेत्र पर 0.50 प्रोत्साहन एफएसआई अथवा 4.00 एफएसआई, जो भी अधिक हो, की अनुमति से संबंधित प्रावधान शामिल किया गया है। इन बदलावों से छोटे भूखंडों पर बनी पुरानी इमारतों के पुनर्विकास की संभावनाएं बढ़ेंगी। साथ ही, विकास परियोजनाओं की आर्थिक व्यवहार्यता में सुधार होने और निवासियों को सुरक्षित आवास उपलब्ध कराने की प्रक्रिया तेज होने की उम्मीद है। हजारों परिवारों को मिलेगी राहत की उम्मीद

मीरा-भायंदर में बड़ी संख्या में पुरानी इमारतें हैं, जिनके पुनर्विकास में भूमि क्षेत्रफल, सड़क की चौड़ाई और सामूहिक पुनर्विकास की शर्तें बाधा बनती रही हैं। मिनी क्लस्टर योजना में किए गए संशोधनों से ऐसी इमारतों के पुनर्विकास के लिए नए अवसर पैदा हो सकते हैं। विशेष रूप से रानी सती मार्ग की इमारतों में रहने वाले 178 परिवारों के लिए यह फैसला महत्वपूर्ण माना जा रहा है। हालांकि, संबंधित परियोजनाओं को लागू करने के लिए आवश्यक तकनीकी परीक्षण, सुरक्षा संबंधी आकलन, मंजूरियां और अन्य नियामकीय प्रक्रियाएं पूरी करना जरूरी होगा। नागरिकों ने जताया आभार इस निर्णय से जुड़े नागरिकों ने मंत्री प्रताप सरनाईक और उपमुख्यमंत्री एवं शहरी विकास मंत्री एकनाथ शिंदे के प्रति आभार व्यक्त किया। उनका कहना है कि जर्जर इमारतों में रहने वाले परिवारों के लिए सुरक्षित आवास केवल विकास का विषय नहीं, बल्कि जीवन और सुरक्षा से जुड़ा गंभीर सवाल है। नागरिकों के अनुसार, लंबे समय से लंबित इस मुद्दे पर सरकार का निर्णय मीरा-भायंदर के पुनर्विकास के लिए महत्वपूर्ण साबित हो सकता है। रानी सती मार्ग की इमारतों से शुरू हुई यह पहल भविष्य में शहर की अन्य पुरानी और खतरनाक इमारतों के लिए भी रास्ता खोल सकती है। दिवाली पर मिला विकास का तोहफा मिनी क्लस्टर योजना को मिली मंजूरी को मीरा-भायंदर के नागरिकों के लिए दिवाली के अवसर पर महत्वपूर्ण सौगात माना जा रहा है। मंत्री प्रताप सरनाईक की पहल और राज्य सरकार के निर्णय से शहर में सुरक्षित आवास तथा पुनर्विकास की उम्मीद मजबूत हुई है। अब इस निर्णय का वास्तविक लाभ प्रभावित परिवारों तक कितनी जल्दी पहुंचता है, यह संबंधित परियोजनाओं की मंजूरी, क्रियान्वयन और पुनर्वास प्रक्रिया पर निर्भर करेगा। फिर भी, लंबे समय से अटके पुनर्विकास के मुद्दे पर यह फैसला मीरा-भायंदर के शहरी विकास की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है।

उत्तरशक्ति
* संपादकः ओमप्रकाश प्रजापति
* उप संपादकः प्रेम चंद मिश्रा
*प्रबंध संपादकः डा. शेषधर बिन्द
उपरोक्त सभी पद अवैतनिक है।
पत्राचार कार्यालय :
उत्तरशक्ति (हिंदी दैनिक)
मुंबई-पूणे मोटर मालक श्रमजीवन प्रिमायसेस को.सो., बी-5, ए-337 ट्रक टर्मिनल डब्लू.टी.टी. रोड, आर.टी.ओ. जवल ऑटाफ हिल वडाला, मुंबई-37
मो.- 9554493941
email ID- uttarshaktinews@gmail.com



स्वामी: शरद फागूराम प्रजापति, प्रकाशक, मुद्रक व संपादक ओमप्रकाश रविंद्रनाथ प्रजापति द्वारा सोमानी प्रिंटिंग प्रेस, यूनिट क्रमांक 4, तल मजला, एन.के. इंडस्ट्रियल स्टेट, आरे रोड, प्रवासी इंडस्ट्रियल एस्टेट, जवल, गेट क्रमांक 2, गोरेगांव (पूर्व), मुंबई-400063, महाराष्ट्र से मुदित एवं के-4, रूम नं. 8, ग्राउंड फ्लोर न्यू समता सहकारी को.ऑ. हां. सोसाइटी, एमएमआरडीए कॉलोनी कंजूरमार्ग (वेस्ट), जिला मुंबई- 400078, महाराष्ट्र से प्रकाशित। RNI NO. MAHHIN/2018/76092 * संपादक- ओमप्रकाश रविंद्रनाथ प्रजापति, समाचार पत्र में प्रकाशित समस्त समाचारों के लिए उत्तरदाई तथा इससे उत्पन्न समस्त विवाद मुंबई न्यायालय के अधीन होंगे।
पत्राचार कार्यालय: मुंबई-पूणे मोटर मालक श्रमजीवन प्रिमायसेस को.सो., बी-5 ए-337 ट्रैक टर्मिनल, डब्लू.टी.टी. रोड, आर.टी.ओ. जवल, ऑटाफ हिल, वडाला मुंबई -37, मो.- 9554493941 email ID- uttarshaktinews@gmail.com

जितेंद्र हत्याकांड में पिता, मां और बेटे को आजीवन कारावास, 90 हजार रुपये जुर्माना भी लगाया

महराजगंज,जौनपुर (उत्तरशक्ति)। स्थानीय थाना क्षेत्र के बेदौली गांव में वर्ष 2021 में हुए जितेंद्र कुमार सिंह हत्याकांड में अदालत ने महत्वपूर्ण फैसला सुनाया है। जौनपुर की अपर सत्र न्यायाधीश चतुर्थ रूपाली सक्सेना की अदालत ने मामले में दोषी पाए गए कृपा शंकर सिंह, उनकी पत्नी पुष्पा देवी और पुत्र नितेश सिंह को आजीवन कारावास की सजा सुनाई है। अदालत ने तीनों दोषियों पर 30-30 हजार रुपये का जुमार्ना भी लगाया है। जुमार्ने की आधी धनराशि वादिनी को देने का आदेश दिया गया है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार,

महराजगंज के बेदौली गांव में वर्ष 2021 में हुई थी वारदात

मामला महराजगंज थाना क्षेत्र के बेदौली गांव का है। जितेंद्र कुमार सिंह की पत्नी बेबी सिंह ने महराजगंज थाने में तहरीर देकर घटना की रिपोर्ट दर्ज कराई थी। आरोप के मुताबिक, 11 अक्टूबर 2021 की सुबह करीब सात बजे जितेंद्र अपने घर के बाहर समरसेबल के पास झाड़ू लगा रहे थे। इसी दौरान पड़ोसी नितेश सिंह, उनके पिता कृपा शंकर सिंह और मां पुष्पा देवी वहां पहुंचे। आरोप था कि तीनों ने फावड़ा, लाठी और टंगारी से जितेंद्र पर हमला कर दिया। गंभीर चोट लगने के कारण जितेंद्र की मौके पर ही मौत हो गई।

क्यूएस रैंकिंग में पूर्वांचल विश्वविद्यालय की बढ़ी वैश्विक साख

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय ने क्यूएस (QS) विश्वविद्यालय रैंकिंग 2027 में बेहतर प्रदर्शन करते हुए अपनी शैक्षणिक और अनुसंधान क्षमता का परिचय दिया है। क्यूएस दक्षिण एशिया विश्वविद्यालय रैंकिंग में विश्वविद्यालय ने नौ स्थान की छलांग लगाते हुए वर्ष 2026 के 397वें स्थान से आगे बढ़कर वर्ष 2027 में 388वाँ स्थान हासिल किया है। वहीं, क्यूएस एशिया विश्वविद्यालय रैंकिंग में विश्वविद्यालय ने 1201-1300 के रैंकिंग बैंड में अपनी स्थिति बनाए रखी है।

क्यूएस दक्षिण एशिया विश्वविद्यालय रैंकिंग 2027 में शामिल प्रदेश के विश्वविद्यालयों एवं संस्थानों में पूर्वांचल विश्वविद्यालय सातवें स्थान पर रहा है। यह उपलब्धि क्षेत्रीय उच्च शिक्षा के परिदृश्य में विश्वविद्यालय की बढ़ती पहचान को दशार्ती है।

इस उपलब्धि पर कुलपति प्रो. राकेश कुमार

प्रदेश के विश्वविद्यालयों और संस्थाओं में सातवें स्थान पर

सिंह ने कहा कि प्रदेश की राज्यपाल आनंदीबेन पटेल जी के मार्गदर्शन में विश्वविद्यालय निरंतर प्रगति कर रहा है। उन्होंने विश्वविद्यालय के सभी शिक्षकों को बधाई देते हुए कहा कि यह सभी के सामूहिक प्रयासों का सकारात्मक परिणाम है। आने वाले वर्षों में क्यूएस रैंकिंग में विश्वविद्यालय की स्थिति को और बेहतर बनाने के लिए सभी शिक्षक, शोधार्थी, अधिकारी एवं कर्मचारी मिलकर योजनाबद्ध ढंग से प्रयास करेंगे। शैक्षणिक गुणवत्ता, शोध एवं अंतरराष्ट्रीय पहचान को मजबूत करना

दक्षिण एशिया में नौ स्थान का सुधार, शोध पत्रों के उद्धरण में 29 प्रतिशत की वृद्धि

विश्वविद्यालय की प्राथमिकता है।

रैंकिंग के आंकड़ों के अनुसार, विश्वविद्यालय के समग्र एशिया स्कोर में भी उल्लेखनीय वृद्धि हुई है। वर्ष 2026 में 10.3 रहा स्कोर वर्ष 2027 में बढ़कर 13.8 हो गया है। इसी तरह रैंकिंग में विश्वविद्यालय द्वारा पीछे छोड़े गए संस्थानों का प्रतिशत 15.3 से बढ़कर 24.7 हो गया है।

शोध एवं अनुसंधान के क्षेत्र में विश्वविद्यालय का प्रदर्शन विशेष रूप से बेहतर हुआ है। विश्वविद्यालय के शोध-पत्रों की संख्या में लगभग 17 प्रतिशत तथा शोध-पत्रों को प्राप्त उद्धरणों (Citations) में लगभग 29 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई है। नॉर्मलाइज्ड साइटेशन में भी लगभग 30 प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई है । इसके अतिरिक्त, विश्वविद्यालय में शिक्षकों की संख्या में भी वृद्धि दर्ज की गई है। साथ ही, पीएचडी उपाधिधारक शिक्षकों से संबंधित संकेतक में भी विश्वविद्यालय का प्रदर्शन उल्लेखनीय रहा है। उत्तर प्रदेश के स्तर पर भी विश्वविद्यालय ने अपनी मजबूत उपस्थिति दर्ज कराई है।

पूर्वांचल स्टार्टअप संवाद-2026 में पूर्वांचल विश्वविद्यालय के विद्यार्थियों के स्टार्टअप प्रस्तावों को देखा

राज्यपाल आनंदीबेन पटेल ने विद्यार्थियों से किया संवाद, कुलपति प्रो.राकेश कुमार सिंह ने स्टॉल पर स्टार्टअप प्रस्तावों पर की विस्तृत चर्चा

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। रज्जू भैया विश्वविद्यालय, प्रयागराज में आयोजित पूर्वांचल स्टार्टअप संवाद-2026 में वीर बहादुर सिंह बायोटेक्नोलॉजी के शेखर आनंद के स्टार्टअप प्रस्तावों की उत्तर प्रदेश की राज्यपाल एवं कुलाधिपति श्रीमती आनंदीबेन पटेल ने समीक्षा की।



पूर्वांचल विश्वविद्यालय, जौनपुर के विद्यार्थियों ने अपने नवाचार आधारित स्टार्टअप प्रस्ताव प्रस्तुत किए। कार्यक्रम में विश्वविद्यालय के इंजीनियरिंग संकाय के पूर्व छात्र अभिषेक दुबे जिन्होंने अपना पहला स्टार्ट अप आइडिया पूर्वांचल के इनक्यूबेशन केंद्र से प्रेरित होकर विकसित किया था तथा

इस अवसर पर राज्यपाल आनंदीबेन पटेल ने दोनों विद्यार्थियों से उनके स्टार्टअप आइडिया, प्रस्तावों और उनकी कार्ययोजना के संबंध में विस्तार से बातचीत की। उन्होंने विद्यार्थियों के नवाचार संबंधी विचारों को जाना और उनके प्रस्तावों पर चर्चा की।

कार्यक्रम में वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. राकेश कुमार सिंह ने भी विद्यार्थियों के स्टॉल का अवलोकन किया। उन्होंने अभिषेक दुबे और शेखर आनंद के स्टार्टअप प्रस्तावों पर विस्तार से चर्चा की। कुलपति ने विद्यार्थियों के विचारों को व्यावहारिक एवं प्रभावी स्वरूप देने, उन्हें आगे विकसित करने तथा उद्यमिता की दिशा में आगे बढ़ाने के विभिन्न पहलुओं पर मार्गदर्शन दिया।

पूर्वांचल स्टार्टअप संवाद-2026 युवा नवाचारियों एवं उभरते उद्यमियों को अपने विचार और स्टार्टअप मॉडल प्रस्तुत करने का मंच प्रदान कर रहा है। इसमें पूर्वांचल विश्वविद्यालय के विद्यार्थियों की सहभागिता विश्वविद्यालय में नवाचार, उद्यमिता और व्यावहारिक ज्ञान को प्रोत्साहित करने की दिशा में महत्वपूर्ण है।

इस अवसर पर प्रो.मानस पांडेय, इनक्यूबेशन सेंटर के निदेशक प्रो.अविनाश पाथर्डीकर, प्रो.रजनीश भास्कर तथा कुलसचिव डॉ विनोद सिंह उपस्थित रहे।

पड़ोसी पर गला दबाकर जान से मारने की धमकी देने का आरोप, मुकदमा दर्ज

खेत की जुताई का विरोध करने पर मारपीट और गाली-गलौज का आरोप

महराजगंज,जौनपुर (उत्तरशक्ति)। महराजगंज थाना क्षेत्र के चारो गांव निवासी सभापति दूबे ने अपने पड़ोसी दिनेश, सुनील और उनके पुत्र कशिश पर मारपीट, गाली-गलौज और जान से मारने की धमकी देने का आरोप लगाया है। पीड़ित के अनुसार, 31 अक्टूबर को आरोपित उनके खेत में जबरन जुताई करने का प्रयास कर रहे थे। इसका विरोध करने पर आरोपितों ने उनके साथ गाली-गलौज शुरू कर दी। आरोप है कि इस दौरान उनका गला पकड़कर दबाया गया और धक्का देकर जमीन पर गिरा दिया गया। साथ ही दोबारा विरोध करने पर जान से मारने की धमकी भी दी गई।

घटना के बाद पीड़ित ने थाने पहुंचकर पुलिस को लिखित तहरीर दी। पुलिस ने तहरीर के आधार पर तीनों आरोपितों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर मामले की जांच शुरू कर दी है।

चोरी के सामान के साथ एक आरोपी गिरफ्तार, तीन मामलों में था वांछित

मुंगराबादशाहपुर पुलिस ने मुखबिर की सूचना पर दबोचा, फुटबॉल, बैडमिंटन रैकेट और साउंड सिस्टम बरामद

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। मुंगराबादशाहपुर पुलिस ने चोरी के मामले में वांछित चल रहे एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने उसके कब्जे से चोरी का सामान भी बरामद किया है। पुलिस अधीक्षक के निर्देश पर अपराधियों के विरुद्ध चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत मुंगराबादशाहपुर पुलिस ने मुखबिर की सूचना पर कार्रवाई करते हुए विशाल रजक पुत्र रामाश्रय निवासी ग्राम बनवीरपुर को लौह की तरफ जाने वाले मार्ग के मोड़ से गिरफ्तार किया। पुलिस के मुताबिक, गिरफ्तार आरोपी के कब्जे से दो फुटबॉल, दो बैडमिंटन रैकेट, एक साउंड सिस्टम और एक फायर एक्सटिंग्विशर बरामद हुआ है। आरोपी थाना मुंगराबादशाहपुर में दर्ज मुकदमा संख्या 245/26 और 324/26 समेत कुल तीन मामलों में वांछित चल रहा था। गिरफ्तारी करने वाली पुलिस टीम में प्रभारी निरीक्षक गजानंद चौबे, उपनिरीक्षक विद्यासागर, उपनिरीक्षक दिलीप कुमार सिंह सहित अन्य पुलिसकर्मी शामिल रहे। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ आवश्यक विधिक कार्रवाई की है।

फर्जी मृत्यु प्रमाण पत्र से जमीन कब्जाने की कोशिश, न्यायालय के आदेश पर चार के खिलाफ केस दर्ज

मड़ियाहूं, जौनपुर (उत्तरशक्ति)। तहसील क्षेत्र के लगधरपुर गांव में कथित रूप से फर्जी मृत्यु प्रमाण पत्र बनवाकर जमीन हड़पने का मामला सामने आया है। इस मामले में न्यायालय के आदेश पर मड़ियाहूं पुलिस ने परिवार के ही चार लोगों के खिलाफ धोखाधड़ी और कूटरचना सहित अन्य गंभीर धाराओं में मुकदमा दर्ज किया है। गांव निवासी अभय पटेल ने एसीजेएम प्रथम न्यायालय में प्रार्थना पत्र देकर आरोप लगाया कि परिवार के कुछ लोगों ने कूटरचित मृत्यु प्रमाण पत्र तैयार कराया। आरोप है कि प्रमाण पत्र पर फर्जी हस्ताक्षर और अंगूठे का निशान लगाकर जमीन हड़पने की कोशिश की गई। पीड़ित ने न्यायालय से आरोपियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की थी। न्यायालय के आदेश पर पुलिस ने आलोक कुमार, विनोद कुमार, रामप्यारी देवी उर्फ प्यारी देवी और शांता प्रसाद निवासी लगधरपुर के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कर ली है। इस संबंध में प्रभारी निरीक्षक विनोद कुमार मिश्रा ने बताया कि न्यायालय के आदेश पर मुकदमा दर्ज कर लिया गया है। मामले की जांच-पड़ताल की जा रही है।

मछलीशहर में सजा 'संवाद एवं सम्मान संगम' का मंच, पत्रकारों का हुआ सम्मान

अरशद अली

मछलीशहर,जौनपुर (उत्तरशक्ति)। जौनपुर पत्रकार संघ इकाई मछलीशहर के अध्यक्ष अनिल कुमार पांडेय के नेतृत्व में बुधवार को स्थानीय



रिया रॉयल होटल में 'संवाद एवं सम्मान संगम' कार्यक्रम का भव्य आयोजन किया गया। कार्यक्रम का विषय 'प्रशासन, पत्रकारिता और समाज का साझा मंच' रहा। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि ज्वाइंट मजिस्ट्रेट शुभांशु कटियार (आईएएस) एवं क्षेत्राधिकारी परमानंद कुशवाहा रहे। अध्यक्षता जौनपुर पत्रकार संघ के जिलाध्यक्ष शशि मोहन सिंह क्षेम ने की।

मुख्य अतिथि शुभांशु कटियार ने कहा कि लोकतंत्र में प्रशासन और पत्रकारिता के बीच बेहतर समन्वय जरूरी है। पत्रकार समाज की समस्याओं को प्रशासन तक पहुंचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। वहीं क्षेत्राधिकारी परमानंद कुशवाहा ने निष्पक्ष और निर्भीक पत्रकारिता को समाज की दिशा तय करने वाला महत्वपूर्ण माध्यम बताया।

विशिष्ट अतिथि भारतीय किसान यूनियन के राष्ट्रीय अध्यक्ष कमलेश यादव एवं समाजसेविका आराधना कुमारी ने भी अपने विचार व्यक्त किए। इस दौरान आयोजक अनिल कुमार पांडेय ने अतिथियों एवं क्षेत्र के पत्रकारों को स्मृति चिह्न और अंगवस्त्र भेंटकर सम्मानित किया। कार्यक्रम में दीपावली की शुभकामनाएं भी दी गईं। इस अवसर पर पत्रकार संघ के पदाधिकारी, बड़ी संख्या में पत्रकार, गणमान्य नागरिक एवं समाजसेवी उपस्थित रहे।

ट्रॉली की पहिया के नीचे आने से अधेड़ की मौत

मौत में एक अन्य युवक घायल, पुलिस ने ट्रैक्टर कब्जे में लिया

तेजीबाजार,जौनपुर (उत्तरशक्ति)। तेजीबाजार थाना क्षेत्र के बरचौली गांव के पास मंगलवार दोपहर ट्रैक्टर-ट्रॉली की चपेट में आने से साइकिल सवार रामलाल सरोज (47) की मौत हो गई। हादसे में एक अन्य युवक भी घायल हो गया। सूचना पर पहुंची पुलिस ने ट्रैक्टर को कब्जे में लेकर शव पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। शेखपुरा गांव निवासी रामलाल सरोज साइकिल से बाजार के कुछ काम से तेजीबाजार जा रहे थे। दोपहर करीब 3:30 बजे बक्शा-तेजीबाजार मार्ग पर बरचौली गांव के पास हैदरपुर की ओर से सीमेंट की ईंटें लेकर आ रही ट्रैक्टर-ट्रॉली की चपेट में उनकी साइकिल आ गई। बताया जा रहा है कि ट्रॉली का पहिया रामलाल के सिर पर चढ़ गया, जिससे उनकी मौके पर ही मौत हो गई। इसी दौरान सामने से आ रहे



बरचौली निवासी रजनीश यादव (पुत्र देवनारायण यादव) को भी ट्रैक्टर ने टक्कर मार दी। उन्हें इलाज के लिए अस्पताल भेजा गया।

मजदूरी कर चलाते थे परिवारः रामलाल मजदूरी करके परिवार का खर्च चलाते थे। उनके परिवार में चार बच्चे हैं। बड़ी बेटी आंचल (23), विशाल (20), सचिन (18) और सौरभ (16) पढ़ाई कर रहे हैं। सभी अविवाहित हैं। हादसे की खबर मिलते ही परिवार में शोक छा गया।

पुलिस ने ट्रैक्टर कब्जे में लियाः सूचना मिलने पर थाना प्रभारी सतेंद्र भाई पटेल पुलिस टीम के साथ मौके पर पहुंचे। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा और ट्रैक्टर को कब्जे में ले लिया। थानाध्यक्ष सतेंद्र भाई पटेल ने बताया कि सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और आवश्यक कार्रवाई की गई।

अधिवक्ता प्रोटेक्शन एक्ट लागू करने की मांग

डिस्ट्रिक्ट बार एसोसिएशन ने सरकार से की ठोस पहल की अपील

अधिवक्ताओं पर बढ़ते हमले और धमकी की घटनाओं पर जताई चिंता, सुरक्षा को बताया जरूरी

सोनभद्र (उत्तरशक्ति)। डिस्ट्रिक्ट बार एसोसिएशन सोनभद्र की एक महत्वपूर्ण बैठक बुधवार को दोपहर दो बजे अधिवक्ता भवन, तहसील परिसर रॉबर्ट्सगंज में एसोसिएशन के उपाध्यक्ष चतुर्भुज शर्मा एडवोकेट की अध्यक्षता में संपन्न हुई। बैठक में अधिवक्ताओं की सुरक्षा और अधिवक्ता संरक्षण अधिनियम (एडवोकेट्स प्रोटेक्शन एक्ट) लागू करने की मांग प्रमुखता से उठाई गई।

बैठक को संबोधित करते हुए पूर्व उपाध्यक्ष पवन कुमार सिंह एडवोकेट ने कहा कि अधिवक्ता न्याय व्यवस्था का महत्वपूर्ण स्तंभ हैं। वे समाज के शोषित, पीड़ित और वंचित लोगों को न्याय दिलाने के लिए निरंतर संघर्ष करते हैं। इसके बावजूद अधिवक्ताओं पर हमले, धमकी और उत्पीड़न की घटनाएं चिंता का विषय हैं। उन्होंने कहा कि अधिवक्ताओं को निर्भीक होकर अपने पेशेवर दायित्वों का निर्वहन करने के लिए प्रभावी एवं व्यापक अधिवक्ता संरक्षण अधिनियम लागू



करना समय की मांग है।

वरिष्ठ अधिवक्ता राजेश कुमार यादव ने कहा कि अधिवक्ता केवल अपने मुवक्किल का प्रतिनिधित्व ही नहीं करता, बल्कि संविधान, न्याय और विधि के शासन की रक्षा में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। यदि अधिवक्ता ही सुरक्षित नहीं रहेंगे तो न्यायिक व्यवस्था भी प्रभावित होगी। उन्होंने केंद्र एवं प्रदेश सरकार से अधिवक्ताओं की सुरक्षा के लिए गंभीरता से पहल करने और हिंसक घटनाओं में त्वरित कार्रवाई के साथ दोषियों को दंडित करने की प्रभावी व्यवस्था बनाने की मांग की।

बैठक का संचालन वरिष्ठ अधिवक्ता मृगराज सिंह ने किया। इस अवसर पर सुरेश सिंह कुशवाहा, रमेश चंद्र सिंह, बीपी सिंह, चंद्र प्रकाश सिंह, विजय शंकर सिंह, दशरथ यादव, संतोष पांडेय, मनीष कुमार पटेल, शाहनवाज आलम खान, टीटू गुप्ता, आदर्श देव पांडेय सहित अन्य अधिवक्तागण उपस्थित रहे।

झारोखुर्द में तीन वाहनों की आमने-सामने भीषण भिड़ंत, युवक की मौत

ट्रक, टीपर और बोलेरो की टक्कर से मची चीख-पुकार, कई घायल

दुद्धी,सोनभद्र (उत्तरशक्ति)। दुद्धी कोतवाली क्षेत्र के झारोखुर्द गांव में सड़क हादसे की दर्दनाक घटना सामने आई है। यहां ट्रक, टीपर और बोलेरो की आमने-सामने जोरदार भिड़ंत हो गई। तीन वाहनों के बीच हुई भीषण टक्कर में एक युवक की मौत हो गई, जबकि कई अन्य लोग घायल हो गए। हादसे के बाद घटनास्थल पर चीख-पुकार मच गई और आसपास के ग्रामीणों की भारी भीड़ जुट गई।

दुर्घटना की सूचना मिलते ही स्थानीय लोग राहत एवं बचाव कार्य में जुट गए। वहीं, पुलिस उपाधीक्षक दुद्धी विनय प्रभाकर साहनी और कोतवाली प्रभारी विश्वनाथ प्रताप सिंह पुलिस टीम के साथ तत्काल मौके पर पहुंचे और बचाव कार्य में जुट गए। उनके नेतृत्व में घायलों को अस्पताल पहुंचाने तथा घटनास्थल पर राहत कार्य संचालित करने की

सीओ विनय प्रभाकर साहनी और कोतवाल विश्वनाथ प्रताप सिंह ने संभाला राहत-बचाव का मोर्चा

व्यवस्था की गई। एंबुलेंस की मदद से घायलों को नजदीकी अस्पताल पहुंचाया गया, जहां उनका उपचार चल रहा है।

उधर, हादसे में जान गंवाने वाले युवक के शव को पुलिस ने कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। फिलहाल मृतक की शिनाख्त और दुर्घटना से संबंधित अन्य कानूनी प्रक्रियाएं पूरी की जा रही हैं।

तीन वाहनों की भीषण टक्कर के कारण सड़क पर वाहनों की लंबी कतार लग गई और यातायात प्रभावित हो गया। पुलिस अधिकारियों एवं पुलिस टीम ने मौके पर स्थिति को नियंत्रित करते हुए दुर्घटनाग्रस्त वाहनों को सड़क से हटवाया और यातायात व्यवस्था सुचारू कराई। पुलिस पूरे मामले की जांच में जुटी हुई है। इस दर्दनाक हादसे के बाद झारोखुर्द गांव सहित आसपास के क्षेत्र में शोक और चिंता का माहौल है। दुर्घटना के कारणों और घायलों की वास्तविक संख्या के संबंध में विस्तृत जानकारी पुलिस जांच के बाद ही स्पष्ट हो सकेगी।

बोझनाथ घाट पुल का निर्माण पूरा, विधायक ने किया निरीक्षण,23.66 करोड़ रुपए की लागत से बना पुल

महराजगंज,जौनपुर (उत्तरशक्ति)। महराजगंज क्षेत्र में सई नदी पर बने बोझनाथ घाट पुल का निर्माण पूरा हो

पहुंच मार्ग का काम जारी

पुल ग्राम कल्यानपुर में भटपुरा-



गया है। बदलापुर के विधायक रमेश चंद्र मिश्र ने पुल का निरीक्षण किया। पुल पर आवागमन पहुंच मार्ग का काम पूरा होने के बाद शुरू होगा। यह कल्यानपुर-रामपुर सोनहिता मार्ग पर बना है। इसकी लागत 23 करोड़ 66 लाख रुपये है। निरीक्षण के दौरान विधायक ने निर्माण कार्य की प्रगति देखी।पुल का निर्माण पूरा हो चुका है, जबकि पहुंच मार्ग बनाने का काम जारी है। पहुंच मार्ग तैयार होने के बाद पुल से आवागमन शुरू होगा। सई नदी पर पुल नहीं होने से आसपास के गांवों के लोगों को आने-जाने में परेशानी होती थी। नदी पार करने के लिए उन्हें नाव का सहारा लेना पड़ता था। बरसात में यह परेशानी और बढ़ जाती थी। पुल बनने से बदलापुर और मुंगराबादशाहपुर विधानसभा क्षेत्र सीधे जुड़ेंगे। इससे हजारों लोगों को आने-जाने में सुविधा होगी और समय व दूरी बचेगी।

वीका से सीखी मशीन लर्निंग की तकनीक

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय के फैकल्टी ऑफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी के कंप्यूटर साइंस विभाग द्वारा कुलपति प्रो. राकेश कुमार सिंह के निर्देश पर संचालित ह्यएआई एवं एमएल लर्निंग सीरीजह्न के छठवें व्याख्यान का आयोजन किया गया। ह्लआँकड़ों के समूह से मशीन लर्निंग तक : वीका सॉफ्टवेयर के माध्यम सेह्व विषय पर आयोजित इस व्याख्यान में 88 छात्र-छात्राओं ने प्रतिभाग किया।

मुख्य विशेषज्ञ डॉ. अनुश्री अग्रवाल ने विद्यार्थियों को वीका सॉफ्टवेयर के माध्यम से आँकड़ों का विश्लेषण कर मशीन लर्निंग मॉडल विकसित करने की प्रक्रिया समझाई। उन्होंने आँकड़ों के चयन, अन्वेषण, चित्रात्मक प्रस्तुतीकरण, परिष्करण एवं पूर्व-प्रसंस्करण से लेकर उपयुक्त कलन विधि के चयन तक की

पूर्वांचल विश्वविद्यालय में एआई एवं एमएल लर्निंग सीरीज का छठवां व्याख्यान संपन्न

जानकारी दी।

व्याख्यान में मॉडल के प्रशिक्षण, परीक्षण और मूल्यांकन की प्रक्रिया को व्यावहारिक उदाहरणों के माध्यम से प्रस्तुत किया गया। विशेषज्ञ ने बताया कि मॉडल के प्रदर्शन, सटीकता और उपयोगिता को समझने के लिए मूल्यांकन के बाद प्राप्त परिणामों की सही व्याख्या करना भी आवश्यक है।

इस व्याख्यान से विद्यार्थियों को मशीन लर्निंग की व्यावहारिक कार्यप्रणाली समझने और सैद्धांतिक ज्ञान को प्रयोगात्मक रूप में लागू करने का अवसर मिला। कार्यक्रम के सफल संचालन में आयोजन समिति के सदस्य दिलीप कुमार यादव, अशोक कुमार यादव एवं कृष्ण कुमार यादव ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। इस अवसर पर विभाग के शिक्षक डॉ. संतोष कुमार यादव, पुनेंद्र कुमार, प्रवीण कुमार पाण्डेय, दीप्ति पाण्डेय सहित अन्य शिक्षक उपस्थित रहे।

प्रयोगशाला में उगाया ऑयस्टर मशरूम, अब बिस्कुट बनाने की तैयारी में विद्यार्थी

63 बैग में किया उत्पादन, कुलपति को भेंट किया ताजा मशरूम

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय के बीएससी एग्रीकल्चर के विद्यार्थियों ने महर्षि पराशर कृषि विज्ञान संस्थान की प्रयोगशाला में ऑयस्टर मशरूम का सफल उत्पादन किया है। विद्यार्थियों ने कुलपति प्रो. राकेश कुमार सिंह से मुलाकात कर उन्हें ताजा मशरूम भेंट किया। अब मशरूम से बिस्कुट, नमकीन और समोसा जैसे खाद्य उत्पाद तैयार करने की योजना है।

प्रयोगशाला में प्ल्यूरोटस सजोर-काजू और प्ल्यूरोटस फ्लोरिडा प्रजातियों के कुल 63 बैग तैयार किए गए। स्पॉनिंग के लगभग 25 दिन बाद पहली हार्वेस्टिंग की गई।

कुलपति ने विद्यार्थियों की पहल



की सराहना करते हुए कहा कि ऐसे व्यावहारिक प्रयोगों से विद्यार्थियों में वैज्ञानिक सोच, नवाचार और उद्यमशीलता विकसित होती है। मशरूम उत्पादन कम जगह और सीमित संसाधनों में स्वरोजगार का अच्छा माध्यम बन सकता है।

इस अवसर पर डॉ. शुभम सिंह, प्रो. गिरिधर मिश्रा, प्रो. मनोज मिश्र, प्रो. अजय प्रताप सिंह, डॉ. जेपी सिंह, डॉ. हरिवंश सिंह, डॉ. प्रदीप कुमार यादव, डॉ. सत्यम प्रजापति एवं डॉ. विपिन सहित अन्य लोग उपस्थित रहे।

ड्रोन कैमरे से निगरानी कर अवैध पटाखा फैक्टरी का भंडाफोड़, पिता-पुत्र गिरफ्तार

155 किलो तैयार पटाखे समेत भारी मात्रा में विस्फोटक सामग्री बरामद, पुलिस की छापेमारी से मचा हड़कंप

मड़ियाहूं, जौनपुर (उत्तरशक्ति)। दीपावली के मद्देनजर अवैध पटाखों के निर्माण और भंडारण के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत बुधवार को मड़ियाहूं पुलिस ने भंडरिया टोला में अवैध पटाखा फैक्टरी का भंडाफोड़ किया। पुलिस ने ड्रोन कैमरे से निगरानी करने के बाद छापेमारी की। इस दौरान भारी मात्रा में तैयार पटाखे, विस्फोटक सामग्री और पटाखा बनाने के उपकरण बरामद हुए। पुलिस ने मौके से पिता-पुत्र को गिरफ्तार किया है।

पुलिस के अनुसार, मुखबिर से मिली सूचना के आधार पर प्रभारी निरीक्षक विनोद कुमार मिश्र के नेतृत्व में पुलिस टीम ने नायब तहसीलदार शीतला प्रसाद सिंह के साथ भंडरिया टोला में छापेमारी की। गिरफ्तार



आरोपियों की पहचान इम्तियाज अहमद (48) और उनके पुत्र मोहम्मद कैफ (23) निवासी भंडरिया टोला के रूप में हुई है। छापेमारी के दौरान पांच बोरियों में रखे 155 किलोग्राम अनार पटाखे, सुतली बम और अन्य पटाखे बरामद किए गए। इसके अलावा 19.5 किलोग्राम सिंघाड़ा पटाखा, 37 किलोग्राम शोरा, 16 किलोग्राम बारूद पाउडर, 23.4 किलोग्राम गंधक, एल्यूमीनियम की कतरन, कोयला पाउडर, लकड़ी का बुरादा सहित पटाखा निर्माण में इस्तेमाल होने वाली अन्य सामग्री मिली। पुलिस ने मौके से पटाखा बनाने के उपकरण, कटर मशीन, 1530 खाली मिट्टी की अनार घरिया, तराजू, पाइप और एक ड्रोन कैमरा भी बरामद किया है। पुलिस ने दोनों आरोपियों के खिलाफ विस्फोटक अधिनियम के तहत प्राथमिकी दर्ज कर विधिक कार्रवाई शुरू कर दी है।

प्रणीत कोप्पिकर ने महेश धांगडा को दी बधाई



वसई-विरार। अखिल भारतीय कामगार कर्मचारी संघ की वसई-विरार शहर महानगरपालिका यूनिट के अध्यक्ष पद पर महेश धांगडा के चयन पर भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) युवा मोर्चा के जिला उपाध्यक्ष प्रणीत कोप्पिकर ने उन्हें हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दीं। संगठन के अध्यक्ष रवींद्र चव्हाण के आदेशानुसार तथा महासचिव सुहास मारे की घोषणा के बाद नई कार्यकारिणी का गठन किया गया है। इस अवसर पर प्रणीत कोप्पिकर ने विश्वास जताया कि नई कार्यकारिणी के गठन से संगठनात्मक गतिविधियों को नई गति मिलेगी। उन्होंने उम्मीद व्यक्त की कि नवनियुक्त अध्यक्ष महेश धांगडा अपनी पूरी टीम के साथ अनुभव और संगठनात्मक कौशल का उपयोग करते हुए श्रमिकों की समस्याओं को प्राथमिकता से उठाएंगे तथा उनके समाधान के लिए प्रभावी प्रयास करेंगे। साथ ही संगठन को मजबूत बनाने और उसका विस्तार करने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे।अंत में प्रणीत कोप्पिकर ने नवनियुक्त अध्यक्ष महेश धांगडा सहित सभी नवनियुक्त पदाधिकारियों को नई जिम्मेदारी के लिए बधाई देते हुए उनके सफल कार्यकाल की कामना की।

न्यू टारगेट क्लब कटरा कला ने सुनील कुमार सुमन को दी श्रद्धांजलि



पटना (उत्तरशक्ति)। न्यू टारगेट क्लब कटरा कला की सामाजिक कल्याण समिति के पूर्व अध्यक्ष स्वर्गीय सुनील कुमार सुमन की स्मृति में कैंडल मार्च निकालकर एवं दो मिनट का मौन धारण कर भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की गई। कैंडल मार्च कटरा कला गांव के अंबेडकर स्थान से प्रारंभ होकर गांव की मुख्य गलियों एवं चौराहों से गुजरते हुए स्वर्गीय सुनील कुमार सुमन के आवास के समीप स्थित रविदास मंदिर के पास संपन्न हुआ। इस अवसर पर क्लब के अध्यक्ष डॉ. संदीप कुमार ने कहा कि स्वर्गीय सुनील कुमार सुमन ग्राम पंचायत कटरा कला के विकास मित्र होने के साथ-साथ सरल, सहज, मिलनसार एवं सामाजिक विचारों वाले व्यक्तित्व के धनी थे। उन्होंने आपसी भाईचारे एवं जाति-पाति से ऊपर उठकर समाज के हित में जो कार्य किए उन्हें न्यू टारगेट क्लब निरंतर आगे बढ़ाने का संकल्प लेता है। वहीं, गांव के वरिष्ठ ग्रामीण ओम प्रकाश श्रीवास्तव ने कहा कि सुनील कुमार सुमन जी हम सभी के लिए प्रेरणादायक हैं। धरती पर बहुत कम ऐसे लोग जन्म लेते हैं, जो कम समय में ही अपने कार्यों से समाज के हृदय में अमिट छाप छोड़ जाते हैं। न्यू टारगेट क्लब कटरा कला ने संकल्प लिया कि सुनील कुमार सुमन द्वारा स्थापित सामाजिक मूल्यों, शिक्षा, भाईचारे एवं सेवा की भावना को आगे बढ़ाना ही उनके प्रति सच्ची श्रद्धांजलि होगी। कार्यक्रम को सफल बनाने में चंदन शर्मा, धर्मेंद्र पाल, नागेंद्र पाल, आनंद गुप्ता, वीर बहादुर राम, रामकेशी गुप्ता, सुधांशु चौबे, पप्पू प्रजापति, प्रेम धवन,अंकुल, सोनू, अनिल राम सहित अनेक ग्रामीणों एवं क्लब सदस्यों का सराहनीय योगदान रहा।

पेंशनर्स के लिए आसान हुई जीवन प्रमाण पत्र जमा करने की प्रक्रिया अब घर बैठे पूरी होगी औपचारिकता

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। जिले के पेंशनर्स और पारिवारिक पेंशनर्स को अब जीवन प्रमाण पत्र जमा करने के लिए कोषागार कार्यालय का चक्कर नहीं लगाना पड़ेगा। शासन की ओर से डिजिटल व्यवस्था को बढ़ावा देते हुए नवंबर 2026 में राष्ट्रीय डिजिटल जीवन प्रमाण पत्र अभियान शुरू किया गया है। इसके तहत पेंशनभोगी अपने घर से ही मोबाइल फोन के जरिए डिजिटल जीवन प्रमाण पत्र जमा कर सकेंगे। वरिष्ठ कोषाधिकारी ने बताया कि इस सुविधा का लाभ उठाने के लिए पेंशनर्स अपने स्मार्टफोन में आधार फेस आरडी और जीवन प्रमाण ऐप डाउनलोड कर निर्धारित प्रक्रिया पूरी कर सकते हैं। जिन पेंशनर्स को मोबाइल से प्रमाण पत्र जमा करने में परेशानी हो वे नजदीकी डाकघर जनसेवा केंद्र अथवा साइबर कैफे की मदद से भी यह प्रक्रिया पूरी करा सकते हैं। उन्होंने स्पष्ट किया कि डिजिटल जीवन प्रमाण पत्र सफलतापूर्वक जमा होने के बाद पेंशनर्स को दोबारा कोषागार कार्यालय पहुंचने की जरूरत नहीं होगी। पेंशनभोगियों की सहायता के लिए कोषागार कार्यालय में डाक विभाग की ओर से हेल्प डेस्क भी स्थापित की गई है, जहां डिजिटल प्रमाण पत्र जमा करने से संबंधित जानकारी और सहयोग उपलब्ध कराया जा रहा है।

मोबाइल से जीवन प्रमाण पत्र जमा करने के लिए सबसे पहले जीवन प्रमाण ऐप खोलकर आधार नंबर और मोबाइल नंबर दर्ज करना होगा। मोबाइल पर प्राप्त ओटीपी सत्यापित करने के बाद पेंशनर का नाम, पेंशन का प्रकार (सर्विस या फैमिली) संस्तुति प्राधिकारी के रूप में स्टेट गवर्नमेंट, उत्तर प्रदेश तथा भुगतान एजेंसी में उत्तर प्रदेश ट्रेजरी सब ट्रेजरी का चयन करना होगा। इसके बाद ट्रेजरी एजेंसी के विकल्प में जौनपुर चुनकर पीपीओ नंबर बैंक खाता संख्या और आईएफएससी कोड दर्ज करना होगा। अंत में फेस स्कैन की प्रक्रिया पूरी करने पर डिजिटल जीवन प्रमाण पत्र जमा करने की प्रक्रिया संपन्न हो जाएगी। वरिष्ठ कोषाधिकारी ने पेंशनर्स और पारिवारिक पेंशनर्स से अपील की है कि डिजिटल जीवन प्रमाण पत्र जमा करने के बाद मिलने वाली जीवन प्रमाण आईडी को सुरक्षित रखें। इसी आईडी के माध्यम से प्रमाण पत्र के जमा होने या निरस्त होने की स्थिति की जानकारी प्राप्त की जा सकती है। उन्होंने सभी पेंशनभोगियों से डिजिटल सुविधा का अधिक से अधिक लाभ उठाने और निर्धारित प्रक्रिया के अनुसार अपना जीवन प्रमाण पत्र जमा करने की अपील की है।

मीरगंज बाजार में जर्जर कुआं बना खतरा, बच्चों और ग्रामीणों पर मंडरा रहा हादसे का डर



दिनेश विश्वकर्मा
मीरगंज,जौनपुर (उत्तरशक्ति)। मीरगंज थाना क्षेत्र के करियाव ग्रामसभा अंतर्गत मीरगंज बाजार में प्राथमिक विद्यालय के पास स्थित जर्जर कुआं ग्रामीणों और स्कूली बच्चों के लिए खतरे का सबब बना हुआ है। कुएं के चारों तरफ न तो सुरक्षा घेराबंदी है और न ही पक्की जगत बनी है। आसपास की मिट्टी कटने से कुएं का मुहाना लगातार चौड़ा हो रहा है। कुएं के नजदीक प्राथमिक विद्यालय होने के कारण बच्चों की सुरक्षा को लेकर अभिभावकों में चिंता बनी हुई है। वहीं बाजार में आने-जाने वाले राहगीरों और मवेशियों के भी कुएं में गिरने का खतरा है। ग्रामीणों के अनुसार, आसपास सांप-बिच्छुओं का भी डर बना रहता है। ग्रामीणों ने ग्राम पंचायत और प्रशासन से कुएं की तत्काल मरम्मत, साफ-सफाई और मजबूत घेराबंदी कराने की मांग की है, ताकि किसी संभावित हादसे को रोका जा सके।

घर की दावतों में बढ़ रहा प्रीमियम फूड डिलीवरी का चलन

मुंबई। रेस्तरां से खाना मंगवाना अब सिर्फ समय बचाने या सुविधा का साधन नहीं रह गया है। घर पर दोस्तों और परिवार की मेजबानी के दौरान लोग अब प्रीमियम रेस्तरां से भोजन मंगवाने को प्राथमिकता दे रहे हैं। रेडसीर की 'स्टेट ऑफ इंडियाज फूडसर्विसेज मार्केट 2026' रिपोर्ट के अनुसार, देश के फूड सर्विस बाजार में ऑनलाइन डिलीवरी की हिस्सेदारी फिलहाल लगभग 11 प्रतिशत है, जिसके अगले पांच वर्षों में बढ़कर करीब 20 प्रतिशत तक पहुंचने की उम्मीद है।

उद्योग में आ रहे इस बदलाव पर प्रकाश डालते हुए बेलोना हॉस्पिटैलिटी के प्रबंध निदेशक और 'ईशारा' (क्रॅ१) के संस्थापक प्रशांत इस्सर ने कहा कि रेस्तरां को डिलीवरी को सिर्फ बिक्री का जरिया मानने के बजाय अपनी



मेहमाननवाजी का विस्तार समझना चाहिए। प्रशांत इस्सर ने कहा, ₹जब कोई परिवार या दोस्तों के साथ डिनर के लिए कई डिश ऑर्डर करता है, तो वह केवल खाना नहीं मंगवाता, बल्कि मेजबानी कर रहा होता है। उस शाम के लिए उसने हमारी रसोई उधार ली होती है। इसलिए अब सवाल केवल यह नहीं है कि खाना कैसे पहुंचे, बल्कि यह है कि हम उस मेजबान को बेहतरीन अनुभव देने में कैसे मदद कर सकते हैं। खाना सही स्थिति में, तय समय पर पहुंचे और उसमें रेस्तरां की गुणवत्ता बरकरार रहे, यही हमारी प्राथमिकता है। प्रीमियम रेस्तरां अब डिलीवरी मेन्यू को विशेष रूप से डिजाइन कर रहे हैं। रोटी और नान का कुरकुरापन बनाए रखने, पास्ता के डिब्बे में अधिक पकने से रोकने और सॉस को अलग से पैक करने जैसी बारीकियों पर ध्यान दिया जा रहा है। इसके साथ ही, त्वरित डिलीवरी के बजाय तय समय पर गुणवत्तापूर्ण भोजन पहुंचाने पर जोर दिया जा रहा है। इस्सर ने आगे कहा, ₹पहले हम अपने रेस्तरां के दरवाजे पर खड़े होकर मेहमानों का स्वागत करते थे। अब वह दरवाजा शहर के किसी भी कोने में स्थित ग्राहक का घर हो सकता है। वहां जो भी भोजन पहुंचे, उसमें हमारी पहचान और स्वाद स्पष्ट रूप से झलकना चाहिए। ग्राहक चाहे रेस्तरां में बैठकर खाए या घर पर, उसे हर जगह एक समान और उत्कृष्ट अनुभव देना ही प्रीमियम रेस्तरां के लिए सबसे बड़ा अवसर है।

मॉडर्न आईटीआई के 83 छात्रों का रोजगार मेले में चयन



महुली ,सोनभद्र (उत्तरशक्ति)। राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण केंद्र दुद्धी में आयोजित रोजगार मेले में मॉडर्न आईटीआई हिराचक महुली के 138 प्रशिक्षार्थियों ने प्रतिभाग किया, जिसमें 83 छात्रों का चयन हुआ। इस उपलब्धि से संस्थान और क्षेत्र में खुशी की लहर है। रोजगार मेले में शामिल होने के लिए संस्थान के चेयरमैन मकसूद आलम, निदेशक मंसूर आलम एवं प्रधानाचार्य हृदयनारायण ने हरी झंडी दिखाकर बस को रवाना किया था। छात्रों ने अपने तकनीकी ज्ञान और हुनर के दम पर साक्षात्कार में सफलता हासिल की।

इस दौरान ट्रेनिंग प्लेसमेंट ऑफिसर मनोज कुमार कन्नौजिया, फोरमैन कुलदीप कुशवाहा एवं अनुदेशक सतीश चन्द मौजूद रहे। चेयरमैन मकसूद आलम, निदेशक मंसूर आलम और प्रधानाचार्य हृदयनारायण ने चयनित विद्यार्थियों को बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

26/11 के शहीदों की स्मृति में पं. धीरेंद्र शास्त्री अंधेरी में करेंगे हनुमंत कथा

26 से 28 नवंबर तक आयोजन, शहीदों के परिवारों को आर्थिक मदद देकर किया जाएगा सम्मानित

मुंबई। 26/11 मुंबई आतंकी हमले में शहीद हुए लोगों को श्रद्धांजलि देने और उनकी आत्मा की शांति के लिए सामाजिक संस्था सावरकर फाउंडेशन की ओर से अंधेरी (पश्चिम) के जे.पी. रोड स्थित अंधेरी स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स परिसर में 26 से 28 नवंबर तक तीन दिवसीय श्री हनुमंत कथा का आयोजन किया जाएगा। इस दौरान बागेश्वर धाम के पीठाधीश्वर पंडित धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री महाराज कथा करेंगे। बुधवार को आजादनगर में आयोजित प्रेसवार्ता में सावरकर फाउंडेशन के अध्यक्ष एवं नगरसेवक रूपेश गजानन सावरकर ने बताया कि 26 नवंबर 2008 को मुंबई में हुए आतंकी हमले में 166



लोगों की मौत हुई थी, जबकि 300 से अधिक लोग घायल हुए थे। हमले में शहीद हुए लोगों को श्रद्धांजलि अर्पित करने और उनकी आत्मा की शांति की कामना से इस धार्मिक कार्यक्रम का आयोजन किया जा रहा है। सावरकर ने बताया कि कथा के दौरान शहीदों के परिवारों को आर्थिक सहायता प्रदान कर सम्मानित भी किया जाएगा। इस धार्मिक आयोजन में मुंबई की महापौर ऋतु तावड़े सहित कई नामी-गिरामी हस्तियों के शामिल होने की संभावना है। उन्होंने हनुमंत कथा के श्रद्धालुओं से बड़ी संख्या में कार्यक्रम में शामिल होकर कथा श्रवण करने और धार्मिक आयोजन का लाभ लेने का आह्वान किया।

नालासोपारा वेस्ट लिंक रोड पर अवैध गैरेजों के खिलाफ पुलिस की कार्रवाई

नालासोपारा। नालासोपारा पश्चिम के वेस्ट लिंक रोड, फोर्थ रोड और श्रीप्रस्थ म्हाडा क्षेत्र में सड़क पर अवैध रूप से वाहन पार्क कर यातायात में बाधा उत्पन्न करने वाले गैरेज संचालकों के खिलाफ आखिरकार पुलिस ने कार्रवाई की है। वसई-विरार महानगरपालिका के विपक्ष के नेता मनोज पाटिल द्वारा लगातार प्रशासन से की जा रही शिकायत और फॉलो-अप के बाद नालासोपारा पुलिस ने चार अलग-अलग मामलों में संबंधित गैरेज संचालकों के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता (इठर), 2023 की धारा 285 के तहत केस दर्ज किए हैं।

जानकारी के अनुसार, क्षेत्र में कुछ गैरेज संचालकों द्वारा बिना अनुमति सड़क पर गाड़ियां खड़ी कर रास्ते पर कब्जा किया जा रहा था। इसके कारण यातायात बाधित होने के साथ ही पैदल यात्रियों और वाहन



चालकों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा था। दुर्घटनाओं की आशंका भी बढ़ रही थी। इस गंभीर समस्या को लेकर मनोज पाटिल लगातार प्रशासन का ध्यान आकर्षित कर रहे थे। पुलिस कार्रवाई में श्रीप्रस्थ म्हाडा रोड स्थित हुरेन गैरेज, विवेक ऑटो पार्ट्स गैरेज तथा सोपारा स्टेशन रोड स्थित ब्रिटो गैरेज सहित संबंधित गैरेज संचालकों के खिलाफ मामले दर्ज किए गए हैं।

मनोज पाटिल ने कहा कि केवल पुलिस में मामला दर्ज होने से समस्या का स्थायी समाधान नहीं होगा। उन्होंने वसई-विरार महानगरपालिका प्रशासन से मांग की है कि सड़कों पर किए गए अवैध कब्जों और अनधिकृत शेड को तत्काल हटाया जाए। साथ ही पुलिस नियमित गश्त करे, ताकि दोबारा सड़कों पर वाहन खड़े कर यातायात बाधित न किया जा सके। उन्होंने प्रशासन से पुलिस और महानगरपालिका के संयुक्त अभियान के तहत सख्त कार्रवाई करने की मांग की है। नागरिकों का भी कहना है कि सड़कें अतिक्रमण मुक्त होने से यातायात सुचारु होगा और दुर्घटनाओं का खतरा कम होगा।

वसई के बावखालों के संरक्षण और किसानों को उचित मुआवजे के लिए स्नेहा दुबे पंडित ने राजस्व मंत्री से की मुलाकात

मुंबई। वसई के प्राकृतिक जलस्रोतों के संरक्षण और विकास परियोजनाओं से प्रभावित किसानों को उचित मुआवजा दिलाने के उद्देश्य से वसई की विधायक स्नेहा दुबे पंडित ने मंत्रालय में महाराष्ट्र के राजस्व मंत्री चंद्रशेखर बावनकुले से मुलाकात की। इस दौरान उन्होंने वसई-विरार क्षेत्र से जुड़े दो महत्वपूर्ण जनहित के मुद्दों पर विस्तार से चर्चा कर आवश्यक कार्रवाई की मांग की।

बैठक में विधायक ने वसई क्षेत्र के पारंपरिक बावखालों के संरक्षण का मुद्दा उठाया। उन्होंने कहा कि बावखाल प्राकृतिक जलस्रोतों और पर्यावरण संतुलन के लिए बेहद महत्वपूर्ण हैं। इनके अस्तित्व को सुरक्षित रखने के लिए राजस्व अभिलेखों में आधिकारिक पंजीकरण आवश्यक है। इसके लिए



बावखालों को सातबारा उतारे पर दर्ज करने तथा ई-पीक पाहणी ऐप में 'बावखाल' का अलग विकल्प उपलब्ध कराने की मांग की गई।

इसके अलावा विरार-अलीबाग कॉरिडोर परियोजना से प्रभावित किसानों की जमीन के उचित मूल्यांकन का मुद्दा भी प्रमुखता से उठाया गया। विधायक ने बताया कि कामन क्षेत्र में कुछ जमीनों को कथित तौर पर गलत तरीके से 'पहाड़ी जमीन' की श्रेणी में दर्ज किए जाने से उनका मूल्यांकन कम हो रहा है, जिसके कारण प्रभावित किसानों को उचित मुआवजा मिलने में परेशानी हो रही है।

इस संबंध में प्रभावित किसानों की ओर से राजस्व मंत्री को ज्ञापन सौंपकर जमीनों के वर्गीकरण की वास्तविक स्थिति के आधार पर दोबारा जांच और उचित मूल्यांकन कराने की मांग की गई, ताकि किसानों को उनकी जमीन का न्यायसंगत मुआवजा मिल सके।

विधायक स्नेहा दुबे पंडित ने स्पष्ट किया कि वसई की प्राकृतिक धरोहर, स्थानीय नागरिकों के अधिकारों और किसानों के हितों से कोई समझौता नहीं किया जाएगा। उन्होंने इन दोनों महत्वपूर्ण विषयों पर सरकार से सकारात्मक निर्णय और शीघ्र कार्रवाई सुनिश्चित करने के लिए लगातार फॉलोअप करने की बात कही।

जिलाधिकारी ने क्रॉप कटिंग कार्य का किया निरीक्षण, उत्पादन का लिया जायजा



जौनपुर (उत्तरशक्ति)। जिलाधिकारी सैमुअल पाल एन. ने विकासखंड करंजाकला के ग्राम कोहड़ा में क्रॉप कटिंग कार्य का स्थलीय निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने फसल कटाई की प्रक्रिया देखी और संबंधित अधिकारियों से निर्धारित मानकों की जानकारी ली। जिलाधिकारी ने निर्देश दिया कि क्रॉप कटिंग का कार्य पूरी पारदर्शिता एवं निष्पक्षता के साथ कराया जाए, ताकि फसल उत्पादन के वास्तविक आंकड़े प्राप्त हो सकें। उन्होंने कहा कि क्रॉप कटिंग के आंकड़े औसत उपज के आकलन में महत्वपूर्ण होते हैं। इस अवसर पर तहसीलदार सदर, उप कृषि निदेशक अश्वनी सिंह, जिला कृषि अधिकारी विनय सिंह, डिप्टी पीडी आत्मा डॉ. रमेश चंद्र यादव सहित अन्य अधिकारी एवं कर्मचारी मौजूद रहे।

आरोग्य भारती ने इंदौर में बनाया 30 बेड का वार्ड : आज होगा लोकार्पण



-प्रणित नरेंद्र तिवारी
इंदौर (उत्तरशक्ति)। आर्थिक रूप से कमजोर और दिव्यांग बच्चों को निःशुल्क उपचार उपलब्ध कराने के लिए इंदौर में 30 बेड का बाल सेवा विशिष्ट वार्ड शुरू किया जा रहा है। आरोग्य भारती इंदौर महानगर और नीमा इंस्टीट्यूट फॉर ऑथोपेडिक एंड रिहैबिलिटेशन ट्रस्ट की पहल पर बन रहे इस वार्ड का लोकार्पण 5 नवंबर 2026 दिन गुरुवार को शाम 7 बजे से 9 बजे तक अन्नपूर्णा रोड स्थित यूनिक हॉस्पिटल में होगा। यहां बच्चों को निशुल्क उपचार, सर्जरी और पुनर्वास की सुविधाएं देने का लक्ष्य है।

कार्यक्रम में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सह-सरकार्यवाह आलोक कुमार मुख्य अतिथि होंगे। आरोग्य भारती के राष्ट्रीय संगठन सचिव डॉ. अशोक कुमार वर्ष्णोव विशेष अतिथि के रूप में शामिल होंगे। डॉ. प्रमोद नीमा ने बताया कि इस अभियान की शुरूआत 1991 में हुई थी। बीते 36 वर्षों में मध्यप्रदेश के अलग-अलग जिलों से आए करीब 30 हजार दिव्यांग बच्चों के निशुल्क ऑपरेशन किए जा चुके हैं। इस दौरान 548 चिकित्सा शिविर लगाए गए। इनमें बच्चों की पहचान, जांच, सर्जरी, कृत्रिम उपकरण उपलब्ध कराने और पुनर्वास जैसी सुविधाएं दी गईं। उन्होंने कहा कि चिकित्सा का उद्देश्य केवल बीमारी का उपचार करना नहीं, बल्कि जरूरतमंदों को सम्मान के साथ बेहतर जीवन जीने का अवसर देना भी है। आर्थिक कठिनाइयों के कारण कई बच्चों को समय पर इलाज नहीं मिल पाता। नया वार्ड ऐसे बच्चों और उनके परिवारों के लिए मददगार साबित होगा। 36 साल से चल रहे इस अभियान को अब 30 बेड के स्थायी निशुल्क बाल सेवा विशिष्ट वार्ड के रूप में विस्तार मिल रहा है।

वसई में 9-10 जनवरी तक को होगा भव्य हिंदू महासम्मेलन

वसई। वसई में आगामी 9 और 10 जनवरी 2027 को भव्य हिंदू महासम्मेलन आयोजित करने की तैयारियां शुरू हो गई हैं। महासम्मेलन के आयोजक उत्तम कुमार ने गोवा के मुख्यमंत्री डॉ. प्रमोद सावंत से मुलाकात कर उन्हें इस कार्यक्रम में शामिल होने का निमंत्रण दिया। उत्तम कुमार की पहल पर हर वर्ष वसई में हिंदू महासम्मेलन का आयोजन किया जाता है। इस सम्मेलन का उद्देश्य हिंदू धर्म, भारतीय संस्कृति, धार्मिक परंपराओं और आध्यात्मिक विचारों का प्रचार-प्रसार करना तथा समाज को संतों-महंतों के विचारों से मार्गदर्शन प्रदान करना है। इस महासम्मेलन में महाराष्ट्र सहित उत्तर भारत और दक्षिण भारत के विभिन्न क्षेत्रों से साधु-संत, महंत और धार्मिक क्षेत्र की प्रमुख हस्तियां शामिल होती हैं। अपने प्रवचनों के माध्यम से वे लोगों को आध्यात्मिक जीवन, धार्मिक मूल्यों, संस्कारों, सामाजिक



जिम्मेदारियों और सकारात्मक विचारों का महत्व समझाते हैं। सम्मेलन की एक विशेषता यह भी है कि इसमें देशभर के विभिन्न हिंदू संगठनों के पदाधिकारी, कार्यकर्ता और प्रतिनिधि बड़ी संख्या में हिस्सा लेते हैं। इस आयोजन के माध्यम से अलग-अलग राज्यों के संतों, महंतों और हिंदू संगठनों को एक मंच पर लाने का प्रयास किया जाता है।

आयोजकों के अनुसार, आगामी महासम्मेलन का आयोजन 9 और 10 जनवरी 2027 को किया जाएगा। इसी सिलसिले में उत्तम कुमार ने गोवा के मुख्यमंत्री डॉ. प्रमोद सावंत से मुलाकात कर उन्हें कार्यक्रम में उपस्थित रहने का निमंत्रण दिया। आयोजक उत्तम कुमार ने वसई-विरार क्षेत्र के नागरिकों, धर्मप्रेमियों, श्रद्धालुओं और सभी हिंदू भाइयों से महासम्मेलन में बड़ी संख्या में शामिल होने की अपील की है। आयोजकों को उम्मीद है कि यह महासम्मेलन धार्मिक, सांस्कृतिक और आध्यात्मिक विचारों के आदान-प्रदान का एक महत्वपूर्ण मंच बनेगा।





बाटा इंडिया ने दूसरी तिमाही के नतीजे घोषित किए: लगातार चौथी तिमाही में तेज होती ग्रोथ



मुंबई। भारत के सबसे भरोसेमंद फुटवियर ब्रांड बाटा इंडिया ने आज 30 सितंबर 2026 को खत्म हुई तिमाही के वित्तीय नतीजे घोषित किए। कंपनी का रेवेन्यू 861.8 करोड़ रुपये रहा। इस साल त्योहारी कैलेंडर का बड़ा हिस्सा तीसरी तिमाही में खिसकने के बावजूद, यह वित्त वर्ष 2025-26 की दूसरी तिमाही के 801.3 करोड़ रुपये के मुकाबले 7.5% से ज्यादा है। तिमाही में टैक्स के बाद मुनाफा (पीएटी) 18 करोड़ रुपये रहा, जबकि पिछले साल की इसी तिमाही में यह 13.8 करोड़ रुपये था। ऊंचे एएसपी (औसत बिक्री मूल्य) के सहारे मुनाफा 31% से ज्यादा बढ़ा। इस तिमाही के एकमुश्त मदों (वन-ऑफ) में दो चीजें शामिल हैं: मुद्रा के लगातार अवमूल्यन की वजह से लाइसेंस फीस पर 3 करोड़ रुपये का नॉन-कैश फॉरेक्स नुकसान, और 3.9 करोड़ रुपये का एक बार का एसेट राइट-ऑफ। तिमाही में 321.3 करोड़ रुपये के सरप्लस फंड को स्पेशल डिविडेंड के रूप में बांटने से अन्य आय 4.6 करोड़ रुपये कम रही। 1 अक्टूबर 2026 से कार्यभार संभालने वाले बाटा इंडिया के मैनेजिंग डायरेक्टर और सीईओ संजय एस. राव ने नतीजों पर कहा,तिमाही आधार पर ग्रोथ की रफ्तार लगातार चौथी तिमाही में बनी रही। दूसरी तिमाही में टॉपलाइन 7.5% से ज्यादा बढ़ी। रिटेल में एलएफएल और एएसपी की ग्रोथ मजबूत रही, और फ्रेंचाइजी व आईएंडडी चैनल दहाई अंकों में बढ़े।

समावेशी विकास का बड़ा उदाहरण है भारतीय डिजिटल मॉडल: डॉ. जयशंकर



मुंबई,/न्यूयॉर्क। विदेश मंत्री डॉ. एस. जयशंकर ने राष्ट्रमंडल शासनाध्यक्षों (सीएचओजीएम 2026) के कार्यकारी सत्र में भारत का प्रतिनिधित्व करते हुए वैश्विक मंच पर देश की डिजिटल ताकत का लोहा मनवाया। बैठक के दौरान उन्होंने सुशासन और वित्तीय जिम्मेदारी को बढ़ावा देने में 'डिजिटल पब्लिक इंफ्रास्ट्रक्चर' (डीपीआई) की महत्वपूर्ण भूमिका पर विशेष रूप से प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि भारत का डिजिटल मॉडल आज दुनिया के अन्य देशों के लिए एक बेहतरीन उदाहरण और सबक है, जिसने आर्थिक और सामाजिक परिदृश्य को पूरी तरह बदल दिया है। विदेश मंत्री ने भारत में लागू किए गए डिजिटल सुधारों का जिक्र करते हुए स्पष्ट किया कि कैसे तकनीक की मदद से अंतिम छोर पर खड़े व्यक्ति तक सरकारी योजनाओं का लाभ सीधे पहुंचाया जा रहा है। इससे न केवल बिचौलियों की भूमिका खत्म हुई है, बल्कि सार्वजनिक धन की बबार्दी पर भी प्रभावी लगाम लगी है।

डॉ. जयशंकर ने 4 नवंबर को सोशल मीडिया मंच ह्यएक्सह्न पर लिखा, ह्यह्यसुशासन और वित्तीय जिम्मेदारी के लिए 'डिजिटल पब्लिक इंफ्रास्ट्रक्चर' के महत्व पर जोर दिया। इसने अवसरों का विस्तार करके हमारी अर्थव्यवस्थाओं को अधिक समावेशी बनाने में मदद की है। भारत का उदाहरण इस दिशा में एक अच्छा सबक है। साथ ही, भारत के हालिया मुक्त व्यापार समझौतों और इस संबंध में चल रही अन्य वाताओं के बारे में भी बात की। इस तरह के समझौते व्यापार को अधिक सुगम और भरोसेमंद बनाने के साथ-साथ सप्लाई चेन को भी मजबूत करेंगे। विदेश मंत्री ने जोर देकर कहा कि भारत का अनुभव यह साबित करता है कि अगर सही बुनियादी ढांचे और राजनीतिक इच्छाशक्ति के साथ तकनीक का इस्तेमाल किया जाए, तो यह लोक कल्याण का सबसे बड़ा साधन बन सकती है। उन्होंने कॉमनवेल्थ के सदस्य देशों से अपील की कि वे सुशासन और वित्तीय जवाबदेही सुनिश्चित करने के लिए डिजिटल तकनीकों को तेजी से अपनाएं। भारत इस दिशा में अपनी विशेषज्ञता और सफल मॉडलों को अन्य विकासशील देशों के साथ साझा करने के लिए पूरी तरह तैयार है। भारत के इस दृष्टिकोण की व्यापक सराहना की गई। अंतरराष्ट्रीय विशेषज्ञों का भी मानना है कि भारत का यूपीआई, आधार और अन्य डिजिटल प्लेटफॉर्म्स का नेटवर्क वैश्विक स्तर पर समावेशी विकास की एक नई रूपरेखा तैयार कर रहा है। विदेश मंत्री का यह संबोधन दशार्ता है कि भारत न केवल अपनी सीमाओं के भीतर बल्कि वैश्विक स्तर पर भी जिम्मेदार शासन और आर्थिक सुदृढ़ता की दिशा में एक मार्गदर्शक की भूमिका निभा रहा है।

कविता भोये को भाजपा अनुसूचित जनजाति मोर्चा की मीरा-भाईंदर शहर जिला अध्यक्ष की जिम्मेदारी



मीरा- भाईंदर (उत्तरशक्ति)। भारतीय जनता पार्टी ने श्रीमती कविता भोये को मीरा-भाईंदर शहर जिला अनुसूचित जनजाति (ST) मोर्चा का अध्यक्ष नियुक्त किया है। इस नियुक्ति पर उन्होंने भाजपा विधायक नरेंद्र मेहता और जिला अध्यक्ष दिलीप जैन के प्रति आभार व्यक्त किया है। कविता भोये ने कहा कि पार्टी नेतृत्व ने उन पर जो विश्वास जताया है और संगठन की जो महत्वपूर्ण जिम्मेदारी सौंपी है, उसे वह पूरी निष्ठा, ईमानदारी और समर्पण के साथ निभाएंगी। उन्होंने कहा कि पार्टी संगठन को मजबूत बनाने, अनुसूचित जनजाति समाज के लोगों को जोड़ने तथा उनकी समस्याओं और मुद्दों को संगठन के माध्यम से उचित मंच तक पहुंचाने के लिए निरंतर प्रयास करेंगी। उन्होंने नियुक्ति के लिए पार्टी के वरिष्ठ नेताओं का धन्यवाद करते हुए विश्वास दिलाया कि वह संगठन की अपेक्षाओं पर खरा उतरने के लिए पूरी मेहनत से कार्य करेंगी।

ओकस्मिथ® ने ओकस्मिथ रेड को लॉन्च करने की घोषणा की



मुंबई। ओकस्मिथ® ने आज ओकस्मिथ रेड को लॉन्च करने की घोषणा की है। यह एक खास इंटरनेशनल ब्लेंडेड व्हिस्की है, जिसमें जापानी कारीगरी के जरिए पुरानी स्कॉच माल्ट व्हिस्की और पुरानी अमेरिकन बोरबॉन व्हिस्की का बेहतरीन संगम देखने को मिलता है। ओकस्मिथ रेड को भारत के उन समझदार वयस्क उपभोक्ताओं के लिए तैयार किया गया है जो अपनी समझ पर भरोसा करते हैं और अपनी एक अलग पहचान रखते हैं। ओकस्मिथ ब्रांड इस सोच पर आधारित है कि ज़िंदगी के सबसे अहम फैसले अक्सर हमारी सहज समझ या अंतरात्मा की आवाज से लिए जाते हैं। यह ब्रांड हर किसी की अपनी पहचान और खुद को अभिव्यक्त करने के अंदाज का जश्न मनाता है। अपनी चूज विद इंस्टिंक्ट की फिलॉसफी के जरिए, यह ब्रांड उन लोगों की सराहना करता है जो अपने फैसलों पर भरोसा करते हैं, अपनी बदलती पसंद को अपनाते हैं और खुद के प्रति सच्चे रहते हैं। 'रेज योर रेड' इसी सोच को जीवंत करता है, जो लोगों की व्यक्तिगत पसंद और उनके अपने स्टाइल का जश्न मनाता है। महाराष्ट्र और राजस्थान में लॉन्च हो रही ओकस्मिथ रेड, ओकस्मिथ के पोर्टफोलियो को और मजबूत बनाती है। यह एक ऐसी पेशकश है जो जापानी कारीगरी में ढली ग्लोबल व्हिस्की परंपराओं को सलाम करती है। सनटोरी ग्लोबल स्पिरिट्स इंडिया के मार्केटिंग और इनोवेशन हेड, नोबुकाजु आओकी ने कहाः दुनिया में जापानी व्हिस्की बनाने वाली नंबर 1 कंपनी के एक इंटरनेशनल ब्लेंड के तौर पर, ओकस्मिथ रेड उस ब्लेंडिंग महारत और कारीगरी को दशार्ती है जो लंबे समय से सनटोरी की पहचान रही है। ग्लोबल व्हिस्की परंपराओं को आज के आधुनिक नजरिए के साथ मिलाकर, हमने उन वयस्क उपभोक्ताओं के लिए एक व्हिस्की तैयार की है जो असलियत को महत्व देते हैं और अपना रास्ता खुद चुनते हैं। 'रेज योर रेड' इसी सोच को हकीकत में बदलता है, जो अपनी अलग पहचान और अपनी समझ से चुनाव करने की आजादी का जश्न मनाता है।

इनफिनिक्स ने भारत में लॉन्च किया GT 50 Pro, पेश किया लिक्विड-कूल्ड गेमिंग इकोसिस्टम



मुंबई। इनफिनिक्स इंडिया ने अपना नया गेमिंग स्मार्टफोन GT 50 Pro भारत में लॉन्च किया है। यह स्मार्टफोन GT NX कंट्रोलर, GT NX स्टेशन (डॉक) और GT मैगचार्ज कूलर 2.0 के साथ भारत का पहला लिक्विड-कूल्ड स्मार्टफोन-टू-कंसोल गेमिंग इकोसिस्टम पेश करता है। GT 50 Pro में सेगमेंट का पहला हाइड्रोफ्लो लिक्विड कूलिंग सिस्टम दिया गया है, जिसमें डुअल पीजोइलेक्ट्रिक सिरेमिक माइक्रो-पंप और 7,700mm² 3D वेपर चैंबर शामिल हैं। इसकी पारदर्शी पाइपलाइन विंडो से अंदर बहते कूलिंग लिक्विड को देखा जा सकता है। यह स्मार्टफोन MediaTek Dimensity 8400 Ultimate 4nm प्रोसेसर, 144Hz रिफ्रेश रेट वाले 6.78-इंच 1.5K AMOLED डिस्प्ले और 6500mAh बैटरी से लैस है। इसमें 45W वायर्ड फास्ट चार्जिंग, 30W वायरलेस चार्जिंग और प्रेशर-सेंसिटिव GT Triggers 2.0 दिए गए हैं। यह चुनिंदा गेम्स में 144FPS तक परफॉर्मेंस सपोर्ट करता है। इस लॉन्च पर इनफिनिक्स इंडिया के चीफ मार्केटिंग ऑफिसर मिराज गुप्ता ने कहा, "GT 50 Pro के साथ हमारा उद्देश्य मोबाइल गेमिंग को स्मार्टफोन की सीमाओं से आगे ले जाना है। लिक्विड-कूल्ड परफॉर्मेंस, कंसोल जैसे कंट्रोल्स और बड़ी स्क्रीन पर गेमिंग के जरिए हम यूजर्स को खेलने, प्रतिस्पर्धा करने और जुड़ने के नए अनुभव देना चाहते हैं।

समाज सेवी डॉ. चंद्र प्रताप प्रजापति "भारतरत्न आइकॉनिक अचीवर्स अवॉर्ड-2026" से सम्मानित

नवी मुंबई (उत्तरशक्ति)। सामाजिक सेवा, जनकल्याण एवं समाज के उत्थान के क्षेत्र में निरंतर सक्रिय भूमिका निभाने वाले वरिष्ठ समाजसेवी डॉ. चंद्र प्रताप प्रजापति (सी.पी.) को प्रतिष्ठित भारत रत्न आइकॉनिक अचीवर्स अवॉर्ड-2026 से सम्मानित किया गया है। यह सम्मान धारा ऑफ ह्यूमैनिटी फाउंडेशन द्वारा 31 अक्टूबर 2026 को प्रदान किया गया। डॉ. चंद्र प्रताप प्रजापति को यह सम्मान सामाजिक विकास, जनसेवा, मानवता, सार्वजनिक कल्याण एवं समाज के प्रति उनके समर्पण और उल्लेखनीय योगदान के लिए प्रदान किया गया है।



डॉ. प्रजापति का प्रशासनिक एवं सामाजिक क्षेत्र में भी उल्लेखनीय अनुभव रहा है। वे महाराष्ट्र शासन के दूरसंचार विभाग में पूर्व उप-मंडल अभियंता (Sub-Divisional Engineer) तथा महाराष्ट्र शासन में पूर्व विशेष कार्यकारी अधिकारी (Special Executive Officer) के पद पर अपनी सेवाएँ दे चुके हैं। शासकीय सेवाओं के साथ-साथ उन्होंने सामाजिक क्षेत्र में भी अपनी सक्रिय पहचान बनाई है। वह वर्तमान में प्रजापति समाज विकास मंडल (रजि.), राष्ट्रीय सामाजिक संस्था (NGO) के राष्ट्रीय अध्यक्ष के रूप में समाज को संगठित करने, सामाजिक जागरूकता बढ़ाने, शिक्षा को प्रोत्साहित करने तथा समाज के जरूरतमंद एवं वंचित वर्गों के उत्थान के लिए निरंतर प्रयासरत हैं। नवी मुंबई एवं महाराष्ट्र सहित विभिन्न क्षेत्रों में उनकी सामाजिक गतिविधियाँ, जनहित के कार्यों में सहभागिता और सामाजिक संस्थाओं के माध्यम से किए जा रहे प्रयास उनकी सेवा भावना, नेतृत्व क्षमता एवं सामाजिक प्रतिबद्धता को दशार्ते हैं। इस अवसर पर धारा ऑफ ह्यूमैनिटी फाउंडेशन की ओर से सह-संस्थापक एवं निदेशक प्रतिभा सत्यार्थी तथा संस्थापक एवं निदेशक भूपेंद्र वर्मा द्वारा सम्मान प्रमाणपत्र प्रदान किया गया।

श्री जमनालाल बजाज की 137वीं जयंती पर बजाज परिवार ने विशेष श्रद्धांजलि फिल्म जारी की



मुंबई। बजाज समूह के संस्थापक एवं परिवार के आदर्श पुरुष जमनालाल बजाज की 137वीं जयंती के अवसर पर बजाज परिवार ने एक विशेष श्रद्धांजलि फिल्म जारी की है। शिशिर बजाज के नेतृत्व में परिवार की तीसरी, चौथी और पांचवीं पीढ़ी द्वारा प्रस्तुत यह फिल्म जमनालाल बजाज के असाधारण जीवन, उनके आदर्शों तथा भारत के स्वतंत्रता संग्राम, औद्योगिक विकास और सामाजिक परिवर्तन में उनके अतुलनीय योगदान को स्मरण करती है। यह फिल्म बजाज समूह के आधिकारिक युटूब चैनल पर उपलब्ध है। फिल्म में परिवार की विभिन्न पीढ़ियों के प्रतिनिधि श्री शिशिर बजाज, कुशाग्र नयन बजाज, अपूर्व बजाज और सुश्री आनंदमयी बजाज अपने पूर्वज के जीवन और विचारों को स्मरण करते हुए उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित करते हैं। फिल्म में जमनालाल बजाज की स्वतंत्रता सेनानी, अग्रणी उद्योगपति, समाज सुधारक और परोपकारी व्यक्तित्व के रूप में उनकी प्रेरणादायी यात्रा को दशार्या गया है। महात्मा गांधी के अत्यंत करीबी सहयोगी रहे जमनालाल बजाज को गांधीजी स्नेहपूर्वक अपना 'पांचवां पुत्र' मानते थे। स्वदेशी, खादी, सामाजिक समानता और आर्थिक आत्मनिर्भरता के प्रति उनकी प्रतिबद्धता उनके जीवन का आधार रही। फिल्म में गांधीजी और अन्य प्रमुख राष्ट्रीय नेताओं के साथ उनके संबंधों तथा वर्धा स्थित ऐतिहासिक बजाजवाड़ी की भूमिका को भी दशार्या गया है, जो स्वतंत्रता आंदोलन के दौरान राष्ट्रीय नेतृत्व के विचार-विमर्श और मुलाकातों का एक महत्वपूर्ण केंद्र बनी।

केंद्रीय बजट 2027-28 के लिए एसोचैम ने की व्यापक कर सुधारों की मांग

मुंबई। उद्योग संगठन एसोचैम ने केंद्रीय बजट 2027-28 के लिए प्रस्तुत अपने बजट-पूर्व ज्ञापन में प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष कर सुधारों को लेकर कई दूरगामी सिफारिशें रखी हैं। एसोचैम ने भारत की आर्थिक वृद्धि को गति देने, घरेलू विनिर्माण को मजबूत करने, वैश्विक निवेश आकर्षित करने और 'ईज ऑफ डूइंग बिजनेस' (व्यापार सुगमता) में सुधार के लिए एक अनुमान्य, पारदर्शी और निवेश-अनुकूल कर व्यवस्था की पुरजोर वकालत की है। इन सिफारिशों का मुख्य उद्देश्य कर वातावरण को स्थिर बनाना, कानूनी विवादों व मुकदमों को कम करना, कर प्रावधानों को तर्कसंगत बनाना तथा एक वैश्विक निवेश और विनिर्माण केंद्र के रूप में भारत की प्रतिस्पर्धात्मकता को बढ़ाना है।

प्रत्यक्ष कर के मोर्चे पर, एसोचैम ने रक्षा जैसे रणनीतिक क्षेत्रों सहित नई विनिर्माण कंपनियों के लिए एक रियायती कर व्यवस्था शुरू करने की सिफारिश की है। उद्योग निकाय ने दीर्घकालिक निवेश, रोजगार सृजन और निर्यात प्रतिस्पर्धात्मकता को प्रोत्साहित करने के लिए आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 115BAB की तर्ज पर उचित पात्रता शर्तों और लंबी संचालन अवधि वाली व्यवस्था को फिर से लागू करने का सुझाव दिया है। डिजिटल इंफ्रास्ट्रक्चर के बढ़ते महत्व को देखते हुए, डेटा सेंटर भवनों, फाइबर-ऑप्टिक इंफ्रास्ट्रक्चर, कूलिंग सिस्टम और ऊर्जा-कुशल 5G इंफ्रास्ट्रक्चर के लिए एक अलग संपत्ति वर्गीकरण और त्वरित मूल्यह्रास लाभ देने की मांग की गई है। इसके अलावा, अनुसंधान और विकास में उद्योग व शिक्षा जगत के बीच सहयोग को बढ़ावा देने के लिए मान्यता प्राप्त संस्थानों के साथ स्वीकृत R&D कार्यक्रमों पर खर्च के लिए अतिरिक्त छूट का प्रस्ताव दिया गया है। दीर्घकालिक निवेश को प्रोत्साहित करने और पूंजी बाजार में भागीदारी बढ़ाने के लिए एसोचैम ने सूचीबद्ध प्रतिभूतियों पर दीर्घकालिक पूंजीगत लाभ कर को तर्कसंगत बनाने का आह्वान किया है। संगठन ने 1 से 2 वर्ष के लिए रखी गई प्रतिभूतियों पर LTCG कर की दर घटाकर 10% करने और 2 वर्ष से अधिक की होल्डिंग पर इसे शून्य या लगभग 5% करने का सुझाव दिया है, साथ ही LTCG कर देनदारी के खिलाफ सिक्योरिटीज ट्रांजैक्शन टैक्स के क्रेडिट का विकल्प भी प्रस्तावित किया है। कर प्रशासन को सुचारू बनाने के लिए मिनिमम अल्टरनेट टैक्स (MAT) व्यवस्था में सुधार, ट्रांसफर प्राइजिंग व GAAR पर स्पष्टता और विवाद समाधान समिति की पात्रता सीमा को 10 लाख रुपये से बढ़ाकर 10 करोड़ रुपये करने की सिफारिश की गई है। अप्रत्यक्ष कर और सीमाशुल्क सुधारों के अंतर्गत, एसोचैम ने लगभग 1.5 लाख करोड़ रुपये के पुराने सीमाशुल्क विवादों को सुलझाने के लिए एकमुश्त विवाद समाधान योजना लाने का आह्वान किया है, जिसमें ब्याज व पेनल्टी की छूट शामिल हो। इसके अलावा, मुक्त व्यापार समझौतों के तहत उत्पत्ति सत्यापन प्रक्रियाओं को सुगम बनाने, विशेष आर्थिक क्षेत्र इकाइयों को घरेलू शुल्क क्षेत्र में सामान बेचने के लिए स्थायी ढांचा प्रदान करने और वेयरहाउस नियमों में अधिक लचीलापन देने की मांग की गई है। एसोचैम का मानना है कि एक सरल, स्थिर और अनुमान्य कर प्रणाली भारत की विकास महत्वाकांक्षाओं को पूरा करने, विनिर्माण क्षमताओं को मजबूत करने और 'विकसित भारत' के दृष्टिकोण को आगे बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी।

विधायक रमेश चंद्र मिश्रा ने रामपुर पहुंचकर जगदीश सिंह के परिजनों से की मुलाकात



बदलापुर, जौनपुर (उत्तरशक्ति)। बदलापुर विधानसभा क्षेत्र में बुधवार को विधायक रमेश चंद्र मिश्रा ने विभिन्न गांवों का दौरा कर लोगों से मुलाकात की और दुख की घड़ी में शोकाकुल परिवारों के प्रति संवेदना व्यक्त की। विधायक बुधवार शाम करीब चार बजे बदलापुर तहसील क्षेत्र के ग्राम रामपुर पहुंचे। यहां उन्होंने जगदीश सिंह के आवास पर पहुंचकर उनके परिवार के सदस्यों से स्नेहिल मुलाकात की। इस दौरान उन्होंने परिवार का कुशलक्षेम जाना और आपसी बातचीत के माध्यम से अपनापन जताया। इसके बाद विधायक ग्राम कल्यानपुर पहुंचे, जहां घनश्याम पाण्डेय के यहां हुई दुखद घटना की जानकारी मिलने पर उनके आवास पर पहुंचकर शोक संवेदना व्यक्त की। उन्होंने शोकाकुल परिजनों से मुलाकात कर इस कठिन समय में उन्हें ढांढस बंधाया और दुख की घड़ी में परिवार के साथ खड़े रहने का भरोसा दिलाया। विधायक के इस दौरे के दौरान स्थानीय लोगों से भी मुलाकात हुई। उन्होंने क्षेत्रवासियों के सुख-दुख में सहभागी बनने और जरूरत के समय उनके बीच उपस्थित रहने की प्रतिबद्धता जताई।

TRIUMPH की ओर से नई BONNEVILLE T40, T40 BLACK और BONNEVILLE T4 लॉन्च

मुंबई। Triumph Motorcycles द्वारा नई BONNEVILLE T40, T40 BLACK और T4 लॉन्च की गई हैं जिसके जरिए अब पहले की तुलना में कहीं ज्यादा भारतीय राइडर्स तक आइकोनिक Bonneville का आकर्षण बढ़ रहा है। 350cc TR सीरीज इंजन से लैस मोटसाइकिल के नए मॉडल आज के दौर की क्षमता को बेजोड़ डिजाइन, बेहतरीन कारीगरी के साथ मिलाकर एक असली Bonneville राइडिंग एक्सपीरियंस पेश करते हैं। Triumph के Bonneville और 400 सीरीज में सबसे नवीनतम मॉडल BONNEVILLE T40, T40 BLACK और T4 बेजोड़ आकर्षण और अचूक विशेषता जैसी खूबियों को प्रदर्शित करते हैं जो कई पीढ़ियों से Bonneville को परिभाषित करते आए हैं। अपने सटीक अनुपात, सुंदर फि निश और लंबे समय तक टिकने वाली स्टाइल के जरिए सभी तीनों मॉडल 1960 के दशक के लीक से हटकर और बेहद आकर्षक अंदाज को साकार करते हैं। सिग्नेचरBonneville डिजाइन विशेषताओं में खास तौर पर बनाए फ्युएल टैंक, क्लासिक गोल आकार के हेडलाइट, पारंपरिक इंजन प्रोफाइल, स्पोक व्हील्स और ट्विन शॉक रियर सस्पेंशन शामिल हैं। स्टीव सार्जेंट, चीफ प्रोडक्ट ऑफि सर, Triumph Motorcycles ने कहाः "Triumph के इतिहास में Bonnevilleसबसे उल्लेखनीय मोटरसाइकिलों में से एक है, इसलिए इस नाम की प्रतिष्ठा धारण करने वाले एक नए मॉडल को सही तरीके से पेश करना एक बड़ी जिम्मेदारी है। शुरूआत से ही, हमारी महत्वाकांक्षा यह नहीं थी कि केवल एक छोटी Bonneville का निर्माण करें, बल्कि हम एक ऐसी मोटरसाइकिल बनाएँ जो ऐसी स्टाइल, विशेषता और मालिकाना अनुभव प्रदान करे जिसकी उम्मीद राइडर्स एक असली Bonneville से करते हैं। Triumph के लिए ज्यादा राइडर्स तक यह अनुभव लेकर आना रणनीतिक रूप से महत्वपूर्ण है, विशेष रूप से जब पूरी दुनिया में कम क्षमतावाली मोटरसाइकिलों की श्रेणियों का विकसित होना जारी है।

भारतीय सेना के पूर्व पुजारी आचार्य सिद्धनाथ गुलाब तिवारी का निधन



-आदेश मिश्र

मुंबई। विक्रोली पश्चिम के पार्कसाइट निवासी एवं भारतीय सेना के पूर्व पुजारी आचार्य सिद्धनाथ गुलाब तिवारी (70) का सोमवार को निधन हो गया। वह अपने पीछे दो पुत्र, एक पुत्री तथा नाती-पोतों सहित भरा-पूरा परिवार छोड़ गए हैं। उनका अंतिम संस्कार पार्कसाइट के वर्षा नगर स्थित श्मशान भूमि में किया गया। उनकी अंतिम यात्रा में श्री रामलीला उत्सव समिति के पदाधिकारियों, ॐ नारायण सत्संग के पदाधिकारियों, क्षेत्रीय रहिवासियों एवं अनेक गणमान्य व्यक्तियों सहित बड़ी संख्या में लोग शामिल हुए। सभी ने दिवंगत आत्मा को भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए शोकाकुल परिवार के प्रति अपनी संवेदनाएं व्यक्त कीं तथा ईश्वर से दिवंगत आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना की।

ग्रामीणों ने नई सड़क की गुणवत्ता पर जताया विरोध



महराजगंज , जौनपुर (उत्तरशक्ति)। स्थानीय थाना क्षेत्र के गद्योपुर बाजार से ब्राह्मण बस्ती तक बनी नई सड़क की गुणवत्ता पर ग्रामीणों ने सवाल उठाए हैं। किसान नेता अमित कुमार पांडेय और क्षेत्रवासियों ने सड़क की मरम्मत कराने की मांग की है।यह सड़क दुर्गा देवता इंटर कॉलेज के सामने से होकर गुजरती है। ग्रामीणों का आरोप है कि सड़क पर पतली गिट्टी का लेप लगाकर निर्माण कार्य छोड़ दिया गया। उनका कहना है कि सड़क जगह-जगह से उखड़ने लगी है। ग्रामीणों ने कहा कि निर्माण कार्य इसी तरह हुआ तो सड़क ज्यादा समय तक नहीं टिकेगी और जल्द खराब हो जाएगी क्षेत्रवासियों ने संबंधित विभाग और अधिकारियों से सड़क की गुणवत्ता की जांच कराने की मांग की है। उन्होंने मानकों के अनुसार दोबारा मरम्मत कराने की भी मांग की, ताकि सड़क टिकाऊ रहे और लोगों को आने-जाने में परेशानी न हो।

जॉन डियर इंडिया ने एक साल में 1 लाख ट्रैक्टरों की बिक्री का आंकड़ा पार किया

मुंबई। जॉन डियर इंडिया ने एक बड़ी उपलब्धि हासिल करते हुए Deere के एक वित्त वर्ष में भारत में 1 लाख से अधिक ट्रैक्टर बेचने का आंकड़ा पार कर लिया है। यह उपलब्धि किसानों, कृषि उद्यमियों और डीलर नेटवर्क के कंपनी के उत्पादों, तकनीक और ग्राहक सहायता सेवाओं पर भरोसे को दशार्ती है। यह उपलब्धि भारत में जॉन डियर के सफर का एक महत्वपूर्ण पड़ाव है और कृषि उत्पादकता तथा कार्यक्षमता बढ़ाने में कृषि मशीनीकरण की बढ़ती भूमिका को भी दशार्ती है। स्थानीय जरूरतों को ध्यान में रखकर तैयार किए गए समाधानों के जरिए कंपनी अलग-अलग फसलों, खेती के तरीकों और कृषि-जलवायु परिस्थितियों में भारतीय कृषि की बदलती जरूरतों को पूरा करने में लगातार सहयोग कर रही है। एक साल में 1 लाख से अधिक ट्रैक्टरों की बिक्री केवल कारोबार से जुड़ी उपलब्धि नहीं है, बल्कि यह भारतीय किसानों और डीलर पार्टनर्स के जॉन डीयर पर भरोसे को दशार्ती है।ह्र जॉन डीयर इंडिया के मैनेजिंग डायरेक्टर और कंट्री मैनेजर, तथा कंस्ट्रक्शन एंड फॉरेस्ट्री वर्ल्डवाइड के प्रेसिडेंट के स्ट्रैटेजिक एडवाइजर, राजेश सिन्हा ने कहा। उन्होंने आगे कहा, ह्रहम किसानों को भरोसेमंद उपकरण, आधुनिक तकनीक और ऐसे समाधान उपलब्ध कराने के लिए प्रतिबद्ध हैं, जो उनकी उत्पादकता, मुनाफे और स्थिरता को बढ़ावा देने में मदद करें। पिछले कई वर्षों में जॉन डीयर ने भारतीय बाजार की जरूरतों के अनुसार तैयार की गई तकनीकों और समाधानों के जरिए कृषि मशीनीकरण को आगे बढ़ाने में योगदान दिया है। कंपनी जॉन डीयर के वैश्विक कारोबार का भी एक महत्वपूर्ण हिस्सा है और भारत से दुनिया भर के 110 से अधिक देशों में अपने उत्पादों का निर्यात करती है। 1 लाख ट्रैक्टरों की बिक्री का यह आंकड़ा देशभर में कंपनी के कर्मचारियों, डीलरों, सप्लायर्स और बिजनेस पार्टनर्स के सामूहिक प्रयासों का नतीजा है। मजबूत डीलर नेटवर्क और बिक्री के बाद बेहतर ग्राहक सेवा के सहयोग से जॉन डीयर लगातार ग्राहकों की उत्पादकता बढ़ाने के साथ-साथ टिकाऊ कृषि पद्धतियों को बढ़ावा देने में मदद कर रही है। भारत में 28 साल से अधिक समय से मौजूद जॉन डीयर के कारोबार में पुणे और देवास में ट्रैक्टर बनाने के प्लांट, पुणे में इंजीनियरिंग और एंटरप्राइज टेक्नोलॉजी से जुड़ी सुविधाएं, पुणे और बेंगलुरु में ग्लोबल क्ळ संचालन, नागपुर और इंदौर में पार्ट्स वितरण केंद्र और पुणे में वित्तीय सेवाओं का कारोबार शामिल है।

स्कोडा ऑटो फॉक्सवैगन इंडिया और एआरएआई ने मिलाया हाथ



मुंबई। स्कोडा ऑटो फॉक्सवैगन इंडिया प्राइवेट लिमिटेड (एसएवीडब्ल्यूआईपीएल) और भारतीय ऑटोमोटिव अनुसंधान संघ (एआरएआई) ने चाकन (पुणे) में ऑटोमोटिव सुरक्षा और टेस्टिंग इंफ्रास्ट्रक्चर के विस्तार के लिए एक ऐतिहासिक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए हैं। इस साझेदारी के तहत एसएवीडब्ल्यूआईपीएल अपने चाकन प्लांट के पास स्थित जमीन का एक हिस्सा एआरएआई को सौंपेगी, जहां एक अत्याधुनिक क्रैश टेस्ट सेंटर स्थापित किया जाएगा।

यह एमओयू केंद्रीय भारी उद्योग और इस्पात मंत्री एच.डी. कुमारस्वामी, एसएवीडब्ल्यूआईपीएल के मैनेजिंग डायरेक्टर व सीईओ पीयूष अरोड़ा और एआरएआई के डायरेक्टर डॉ. रेजी मथाई की उपस्थिति में संपन्न हुआ। यह केंद्र इलेक्ट्रिक वाहनों और उभरती ऑटोमोटिव तकनीकों के लिए भारत NCAP परीक्षण और सुरक्षा मानकों की मान्यता को गति देगा। केंद्रीय मंत्री एच.डी. कुमारस्वामी ने कहा, जैसे-जैसे भारत का ऑटोमोटिव क्षेत्र आगे बढ़ रहा है, स्थानीय आरएंडडी और सेफ्टी टेस्टिंग इंफ्रास्ट्रक्चर का विस्तार करना आवश्यक है। चाकन में यह सुविधा स्थापित करके हम भारत NCAP की भविष्य की जरूरतों को तेजी से लागू करने में मदद कर रहे हैं, जिससे भारत की अपनी खास सड़क सुरक्षा चुनौतियों से निपटा जा सकेगा। इससे घरेलू क्षमताएं मजबूत होंगी और निर्यात बाजार के लिए उच्च गुणवत्ता वाले वाहन तैयार होंगे। एसएवीडब्ल्यूआईपीएल के मैनेजिंग डायरेक्टर और सीईओ पीयूष अरोड़ा ने कहा, गाड़ियों की सुरक्षा और स्थानीय इंजीनियरिंग क्षमता भारत में हमारे कामकाज के केंद्र में हैं। जब एआरएआई को हमारे चाकन प्लांट के बगल में एक खास क्रैश टेस्ट सेंटर के लिए जमीन चाहिए थी, तो उनकी जरूरत पूरी करने के लिए हमने अपने भविष्य के विस्तार के लेआउट में बदलाव किया। हमारी 'इंडिया 2.0' कारें भारत में बनी पहली ऐसी गाड़ियां थीं, जिन्हें वयस्क और बच्चे दोनों की सुरक्षा के लिए ग्लोबल NCAP से 5-स्टार रेटिंग मिली थी। यह रणनीतिक साझेदारी देश की कुल ऑटोमोटिव इंजीनियरिंग क्षमता को बढ़ाएगी। एआरएआई के डायरेक्टर डॉ. रेजी मथाई ने कहा, यह समझौता ज्ञापन भारत के ऑटोमोटिव टेस्टिंग और सुरक्षा ढांचे में रणनीति के लिहाज से एक बड़ा पड़ाव है। एडवांस्ड वैलिडेशन और क्रैशवर्दीनेस आकलन के लिए हम वर्ल्ड-क्लास क्षमताएं तैयार कर रहे हैं,